समाचार पत्रिका

भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र

जुलाई – दिसंबर २०२४

निदेशक की कलम से

सामग्री

- निदेशक की कलम से
- अनुसंधान उपलब्धियाँ
- आयोजित कार्यक्रम
  - प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ
  - विषय विशेषज्ञ / संसाधन व्यक्ति
- प्रसार गतिविधियाँ
  - प्रशिक्षण
  - कृषि प्रदर्शनियाँ / मेले
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण / समझौता ज्ञापन
- विशिष्ट आगंतुक
- किसान एवं छात्र आगंतुक
- कार्मिक
  - पुरस्कार
  - पदोन्नतियाँ
  - प्रकाशन
  - स्वीकृत नई परियोजनाएँ
  - सम्मेलनों / बैठकों में सहभागिता

प्रिय पाठकों,

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र ने हाल ही में अनुसंधान, नवाचार और प्रसार के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। पुणे में आयोजित *किसान दिवस समारोह* के दौरान हमारे प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी स्टॉल पर माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार तथा माननीय श्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र की गरिमामयी उपस्थिति हुई। उनकी सराहना ने हमें सतत उद्यानिकी और किसान कल्याण के लिए और भी दृढ़ संकल्पित किया है।

इस दौरान मुझे *"लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड"* से सम्मानित किया गया, जो ८वीं एशियन पीजीपीआर सोसायटी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (विश्व सब्ज़ी केंद्र, ताइवान) में प्रदान किया गया। इसी सम्मेलन में डॉ. मंजूनाथ एन. को *"एक्सीलेंट रिसर्चर अवार्ड"* मिला। हमारी अनार की किस्म *"सोलापुर अनारदाना"* को अगस्त २०२४ में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित १०९ नई किस्मों में शामिल किया गया, जो राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र की नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त, हमारी एक तकनीक "अनार किस्म भगवा और सुपर भगवा का इन विट्रो प्रसार (In vitro propagation) एवं बायो-हार्डनिंग " को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की *सर्वश्रेष्ठ पाँच तकनीकों* में स्थान मिला तथा चार अन्य तकनीकों को प्रमाणन प्राप्त हुआ। रा. अ. अ. के. के डीयूएस केंद्र के मार्गदर्शन से प्रथम किसान किस्म *"शरद किंग"* का भी विमोचन संभव हुआ।

संस्थान के *२०वें स्थापना दिवस* पर ३ फील्ड डे, ३ कार्यशालाएँ, ५ आवासीय प्रशिक्षण और ९ ऑन-फार्म कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही, अनुसूचित जाति एवं जनजाति किसानों की आजीविका सुदृढ़ करने हेतु एससीएसपी और टीएसपी योजनांतर्गत ६ प्रशिक्षण व कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम सम्पन्न किए गए।

इन उपलब्धियों के पीछे हमारे वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, सहयोगियों तथा किसान समुदाय का निरंतर परिश्रम और सहयोग है। मैं आप सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आइए, हम मिलकर भारतीय कृषि की प्रगति और किसान कल्याण के लिए रा. अ. अ. के. को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

निर्मित एवं प्रकाशित द्वारा

डॉ. राजीव अरविंद मराठे, निदेशक
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र
केगांव, सोलापुर फोन : ०२१७-२३५४३३०
ईमेल : nrcpomegranate@gmail.com

संकलन एवं संपादन

डॉ. पिंकी रायगोंड, वरिष्ठ वैज्ञानिक (प्लांट फिज़ियोलॉजी)
डॉ. सोमनाथ एस. पोखरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (नेमेटोलॉजी)
डॉ. नम्रता ए. गिरी, वैज्ञानिक (खाद्य प्रौद्योगिकी)
डॉ. रंजन कुमार सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (फल विज्ञान)
वेबपृष्ठ : https://www.nrcpomegranate.in

माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार एवं माननीय श्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र का रा. अ. अ. के. प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी स्टॉल पर आगमन

अटारी, पुणे में आयोजित किसान दिवस समारोह (२३.१२.२०२४) के अवसर पर डॉ. राजीव अरविंद मराठे, निदेशक द्वारा माननीय अतिथियों से संवाद

रा. अ. अ. के. के निदेशक को ताइवान में एशियन पीजीपीआर सोसायटी द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया

विश्व सब्ज़ी केन्द्र, ताइवान में आयोजित '८वीं एशियन पीजीपीआर सोसायटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान डॉ. राजीव अरविंद मराठे 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त करते हुए

अनुसंधान उपलब्धियाँ / प्रमुख बिंदु / विकसित प्रौद्योगिकियाँ

अनार किस्म 'सोलापुर लाल'

विवरण :

केंद्रीय किस्म विमोचन समिति (CVRC) द्वारा ५ *अगस्त,* २०२४ को आयोजित ऑनलाइन बैठक में 'सोलापुर लाल' किस्म का विमोचन किया गया। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा *१३ नवम्बर,* २०२४ को भारत सरकार राजपत्र अधिसूचना संख्या ४५३६ के अंतर्गत इसे अधिसूचित किया गया।

विशेषताएँ :

- जलवायु अनुकूल एवं बायो–फोर्टिफाइड अनार की किस्म।
- बहार उपचार (Bahar treatment) हेतु उत्तम प्रतिक्रिया, नियमित पुष्पन, कम पुष्प झड़ना एवं उच्च फल सेट।
- लगभग १६० दिनों में परिपक्व।
- कुल घुलनशील ठोस पदार्थ (TSS) > १७.६° ब्रिक्स।
- एस्कॉर्बिक अम्ल : १९.४ मि.ग्रा./१०० ग्राम।
- औसत उत्पादन : ३५ किग्रा./पौधा, २५ टन/हेक्टेयर।
- PPV&FRA, नई दिल्ली में पंजीकृत (PPV&FRA/REG/२०१६/१७४७)।

(के. दिनेश बाबू)

अनार किस्म 'सोलापुर अनारदाना'

विवरण :

'सोलापुर लाल' किस्म की तरह ही संस्थान द्वारा विकसित एक और संभावनाशील किस्म *'सोलापुर अनारदाना'* का विमोचन केंद्रीय किस्म विमोचन समिति (CVRC) द्वारा ५ *अगस्त,* २०२४ को आयोजित ऑनलाइन बैठक में किया गया। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा १३ *नवम्बर,* २०२४ को भारत सरकार राजपत्र अधिसूचना संख्या ४५३६ के अंतर्गत अधिसूचित किया गया। यह किस्म माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा ११ *अगस्त,* २०२४ को राष्ट्र को समर्पित १०९ *बायो–फोर्टिफाइड किस्मों* में शामिल है।

विशेषताएँ :

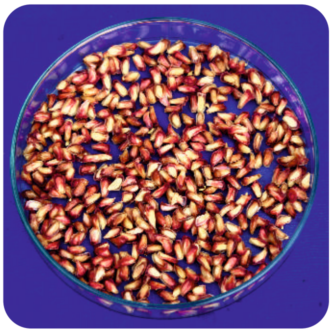

- 'अनारदाना निर्माण' हेतु उपयुक्त किस्म।
- उच्च उत्पादकता : लगभग २०–२२ टन/हेक्टेयर।
- उच्च टाइट्रेटेबल अम्लता : ४.८%।
- उच्च एंथोसायनिन : ४६० मि.ग्रा./१०० ग्राम।
- दानों से अनारदाना रिकवरी : २१.६%।
- फल परिपक्वता : १४८–१५० दिन।
- PPV&FRA, नई दिल्ली में पंजीकृत (PPV&FRA/REG/२०१६/१७५०)।

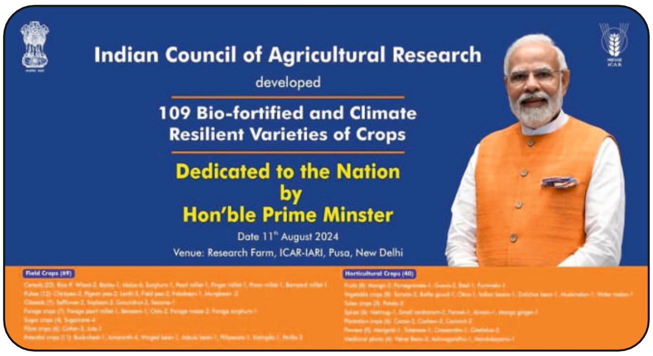

divyamarathi.com — दिव्य मराठी

'सोलापूर अनारदाणा' डाळिंबाचे आज पंतप्रधान मोदींच्या उपस्थितीत प्रसारण

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राने विकसित केलेल्या सोलापूरच्या डाळिंबामुळे शाश्वत शेतीला प्रोत्साहन

प्रतिनिधी | सोलापूर

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राने विकसित केलेल्या नवीन डाळिंबाच्या 'सोलापूर अनारदाना' या जातीचे प्रसारण पंतप्रधान नरेंद्र मोदी करणार आहेत. रविवारी (दि. ११) नवी दिल्ली येथील इंडियन ॲग्रिकल्चर रिसर्च इन्स्टिट्यूट, पुसा कॅम्पस येथे होणार आहे. डाळिंब संशोधन केंद्रासाठी ही बाब अत्यंत अभिमानास्पद आहे. सोलापूर अनारदाना ही डाळिंब प्रक्रियेसाठी शिफारस केलेली पहिलीच जात आहे.

सध्याच्या स्थितीत अनारदाना तयार करण्यासाठी डाळिंबाच्या 'नाना' या जंगली जातीचा वापर करण्यात येत होता. शिवाय त्याची तयार अनारदाण्याची रिकव्हरी ही अत्यंत कमी होती. त्यामुळे संशोधन केंद्राने सोलापूर अनार दानाची प्रक्रियेसाठी शिफारस करण्यात आलेली पहिली डाळिंबाची जात विकसित केली आहे. डाळिंबाच्या प्रक्रिया बाजारपेठेला आंतरराष्ट्रीय मानकांची पूर्तता केलेल्या सोलापूर अनारदाना मुळे उच्च-गुणवत्तेचे डाळिंब उत्पादन होणार आहे. विकसित केलेल्या डाळिंबाच्या जातीमुळे शाश्वत शेतीला प्रोत्साहन मिळेल.

प्रक्रिया व्यवसायासाठी विकसित केलेली पहिलीच जात

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राने विकसित केलेले सोलापूर अनारदाना.

आव्हानांना सामोरे जाण्यासाठी विकसित

सोलापूर अनारदाना या डाळिंब जातीवर प्रक्रिया करून आर्थिक मूल्य वृद्धी करता येईल. हवामान बदलामुळे निर्माण झालेल्या आव्हानांना तोंड देण्यासाठी विकसित केले आहे. आम्हाला विश्वास आहे की, सोलापूर डाळिंब उच्च-गुणवत्तेच्या उत्पादनात एक नवा मापदंड निर्माण करेल.

डॉ. राजीव मराठे, संचालक, राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र.

सोलापूर अनारदाना हे एक आश्वासक पाऊल

ही जात विशेषतः उच्च-गुणवत्तेच्या उत्पादनासाठी विकसित केली गेली. मऊ बियांमुळे, गडद लाल दाण्यांमुळे आणि उच्च रसामुळे ती ओळखली जाते. महाराष्ट्र आणि आसपासच्या राज्यांच्या कोरड्या आणि अर्ध-कोरड्या प्रदेशासाठी योग्य आहे. सोलापूर अनार दाना फळाच्या गुणवत्तेच्या आणि उत्पादनाच्या बाबतीत महत्त्वाचे फायदे आहेत. फळे मध्यम ते मोठ्या आकाराची असतात. वजन सुमारे २५० ते ३०० ग्रॅम असते. प्रत्येक झाडामध्ये दरवर्षी सरासरी १८ ते २० किलो उत्पादन होते. त्याच्या दाण्यांचा स्वाद समृद्ध, गोड-आंबट असतो. यामुळे सेवन आणि अनारदाना मध्ये प्रक्रिया करण्यासाठी उपयुक्त ठरली.

विवरण:

केंद्रीय किस्म विमोचन समिति (CVRC–२०२४) के अंतर्गत क्रमांक १३६ पर पंजीकृत 'सोलापुर अनारदाना' किस्म को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है (भारत सरकार राजपत्र अधिसूचना संख्या SO४९१७ (E), दिनांक १३ नवम्बर, २०२४)। यह किस्म माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा अगस्त २०२४ में राष्ट्र को समर्पित १०९ किस्मों में से एक है।

(के. दिनेश बाबू)

अनार जीन संसाधन संग्रह और संरक्षण

सर्वेक्षण एवं अन्वेषण के माध्यम से जम्मू एवं कश्मीर के श्रीनगर और अन्य जिलों से ०८ नई अनार जीन संसाधन प्रविष्टियाँ संग्रहित की गईं। इसके अतिरिक्त, आई.सी.ए.आर.–सी.एस.एस.आर.आई., करनाल, हरियाणा से ०२ लवण सहिष्णु जीन संसाधन प्राप्त किए गए। इसके अलावा, ३३८ जीन संसाधन लाइनों (स्थानीय और विदेशी) को रा. अ. अ. के., सोलापुर के केगांव और हिराज अनुसंधान खेतों में स्थित सुव्यवस्थित फील्ड जीन बैंकों में संरक्षित किया गया है। ये संग्रह विविध लक्षणों वाले जीनों के अध्ययन और विकास हेतु उपयोगी हैं।

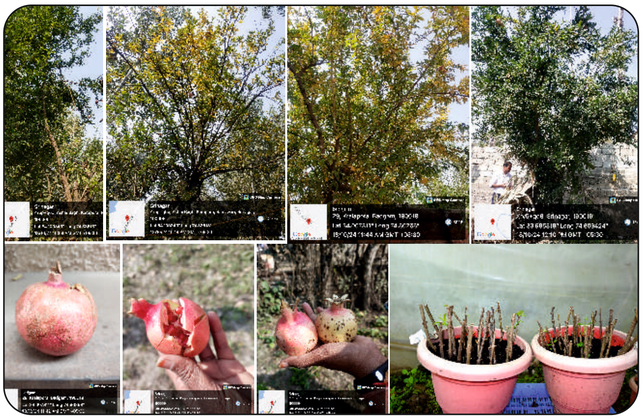

जम्मू एवं कश्मीर और हरियाणा राज्यों से संग्रहित जीन संसाधन प्रविष्टियाँ

(शिल्पा, पी. रूपा सौजन्या, चंद्रकांत अवचारे, बाबू के. डी. एवं डॉ. राजीव अरविंद. मराठे)

'येलो नाना': सजावटी/ऑर्नामेंटल उद्देश्य के लिए विकसित की गयी बौना (Dwarf) अनार किस्म

येलो नाना' एक बौना ऑर्नामेंटल अनार किस्म है, जो आकर्षक, प्रचुर मात्रा में छोटे पीले फूल और फल उत्पन्न करती है। इस किस्म को VTIRC समिति द्वारा संस्थान स्तर पर विमोचन के लिए अनुमोदित किया गया है। इस नई किस्म के पौधों को कंटेनरों में भी उगाया जा सकता है और ये बगीचे, बालकनी या छत पर सजावटी रूप में रखे जा सकते हैं। इस किस्म के पौधों का बड़े पैमाने पर उत्पादन और बिक्री नर्सरी संचालकों, इनडोर गार्डनर्स और अन्य हितधारकों के लिए आय का साधन बनेगा।

सौंदर्य प्रयोजन हेतु 'येलो नाना' अनार किस्म का विमोचन

(शिल्पा परशुराम, एस. एच. जलिकोप, के. डी. बाबू, रविंद्र कुमार, रूपा सोज़न्या पी. एवं डॉ. राजीव अरविंद मराठे)

फल फटने (Fruit Cracking)हेतु पत्तियों पर आधारित जैव–रासायनिक संकेतकों की पहचान

फल फटने के लिए चार अत्यधिक भिन्न जीन संसाधन लाइनों – काबुल येलो (३२.५% फल फटना), येरकौड HRS (१९.५% फल फटना), IC३१८७१८ (०% फल फटना) और १२०१ (०% फल फटना) – का विभिन्न जैव–रासायनिक पैरामीटरों के आधार पर मूल्यांकन किया गया ताकि भविष्य में फल फटने प्रतिरोधी ब्रीडिंग सामग्री की पहचान हेतु पत्ती आधारित संकेतकों का उपयोग किया जा सके। परीक्षण किए गए चौदह पैरामीटरों में से चार पैरामीटर जीन संसाधन की प्रकृति (प्रतिरोधी या संवेदनशील) के अनुसार महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित पाए गए। परिणामों से पता चला कि पॉलीगलेक्टुरोनेस (Polygalacturonase) गतिविधि, परऑक्सीडेज (Peroxidase) और रेड्यूसिंग शुगर (Reducing Sugars) फटने के प्रति संवेदनशील जीन संसाधन में काफी अधिक थे, जिसमें पॉलीगलेक्टुरोनेस गतिविधि में २ गुना और परऑक्सीडेज तथा रेड्यूसिंग शुगर में २.५ गुना वृद्धि देखी गई। वहीं, स्टार्च (Starch) प्रतिरोधी जीन संसाधन में ३२% अधिक पाया गया। अन्य पैरामीटर जैसे बीटा-गैलेक्टोसिडेज, कुल घुलनशील शुगर, कुल अमीनो एसिड, फिनाइलएलानीन अमोनिया लायेज, प्रोलिन, कुल

क्लोरोफिल, मेलोनडियल्डीहाइड, सेलूलोज और कुल फिनॉल में कोई स्पष्ट प्रवृत्ति नहीं देखी गई या अंतर नगण्य था। सहसंबंध परिणामों ने यह दर्शाया कि फल फटने का मजबूत सकारात्मक सहसंबंध पत्ती के पॉलीगलेक्टुरोनेस और रेड्यूसिंग शुगर के साथ है, जबकि मजबूत नकारात्मक सहसंबंध पत्ती की स्टार्च सामग्री के साथ देखा गया। इन परिणामों से स्पष्ट हुआ कि पत्ती के पॉलीगलेक्टुरोनेस, परऑक्सीडेज, रेड्यूसिंग शुगर और स्टार्च फल फटने के मूल्यांकन के लिए आशाजनक संकेतक हैं, हालांकि पुष्टिकरण के लिए एक या दो आणविक संकेतकों (molecular markers) की पहचान की आवश्यकता है।

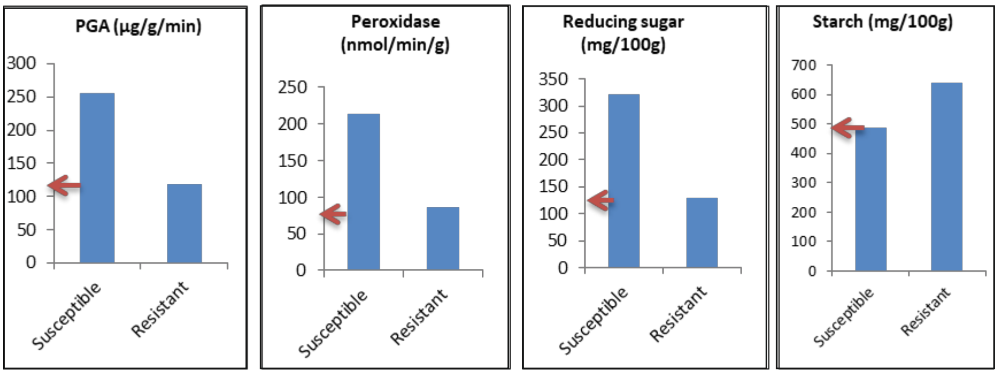

विभिन्न जीन संसाधन में फल फटने के साथ महत्वपूर्ण सहसंबंध वाले पत्ती आधारित जैव–रासायनिक पैरामीटर (माध्यमिक मान के आधार पर बार ग्राफ)

(पिंकी रायगोंड, शिल्पा परशुराम, प्रकाश पाटिल)

अनार में किस्म पहचान के लिए बारकोड विकास हेतु आठ मुख्य मार्करों पर आधारित आनुवंशिक विविधता विश्लेषण

अनार की १२ किस्मों में अद्वितीय मार्कर आईडी बनाने के लिए आठ मुख्य मार्कर (InDel_८४, InDel_८८, NRCP_SSR९७, HvSSRT_३४८, HvSSRT_८६८, Pre miRNA १६, InDel_३, और Pre miRNA ४४) विकसित किए गए। आठ मुख्य मार्करों का उपयोग करते हुए ४० अनार किस्मों में आनुवंशिक विविधता का अध्ययन किया गया। जीनोटाइपिंग ने स्पष्ट रूप से इन ४० जीनोटाइप्स में बहुरूपता (Polymorphism) को दर्शाया, जैसा कि आंकड़े में दिखाया गया है। इन मार्करों ने कुल ३५ एलील्स उत्पन्न किए, जो ३ से ६ के बीच विभाजित थे, और प्रत्येक प्राइमर पर औसत ४.३७ एलील्स पाए गए। ४० जीनोटाइप्स पर सभी आठ मार्करों के लिए उच्च बहुरूपता दर (Polymorphism rate) देखी गई, जिसमें PIC (Polymorphic Information Content) मान ०.६० से ०.८० के बीच थे और औसत मान ०.७२ था। इसके अलावा, अपेक्षित हेटरोजायगोसी (Expected Heterozygosity) ०.५९ से ०.७८ के बीच थी, जिसका औसत मान ०.७१ था। रुचिकर रूप से, सभी मार्करों के लिए उच्च जीन विविधता मान पाए गए, जिसमें औसत शैनन सूचना सूचकांक (Shannon Information Index) I = १.३३ था। इन आठ मार्करों ने समानता की न्यूनतम औसत संभावना (Probability of Identity, PI < ०.१४) भी दर्शाई, जो ४० जीनोटाइप्स में उच्च पहचान क्षमता (High Discrimination Power) का संकेत देती है।

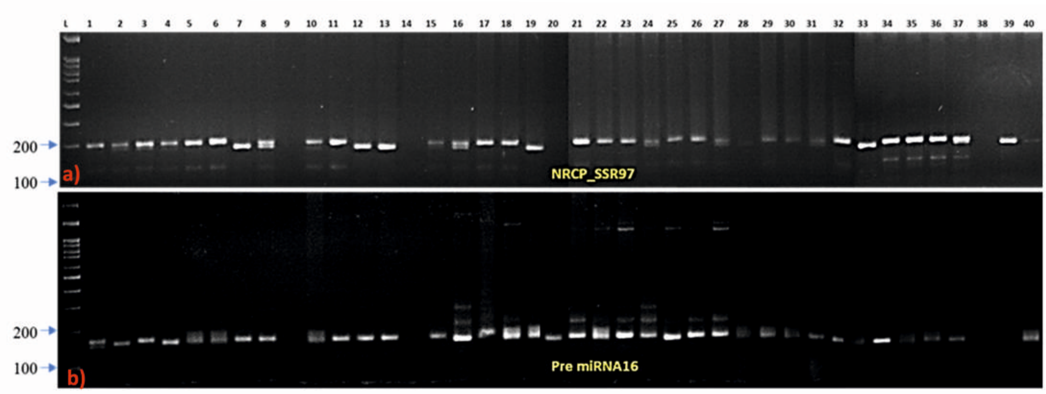

४० अनार जीनोटाइप्स का जीनोमिक और जेनिक मार्करों के उपयोग द्वारा जीनोटाइपिंग, किस्म विशिष्ट मार्कर आईडी उत्पन्न करने हेतु: (a) NRCP_SSR९७ के लिए प्राप्त प्रोफ़ाइल, (b) Pre miRNA-SSR१६ के लिए प्रोफ़ाइल)

डिस्टेंस मैट्रिक्स (Distance Matrix) ने ४० अनार जीनोटाइप्स में बड़ी जोड़ीवार आनुवंशिक दूरी (Pairwise Genetic Distances) दर्शाई, जिसमें आनुवंशिक असमानता मान ०.१४ से १ के बीच थे और औसत मान ०.८२ था। इससे स्पष्ट हुआ कि सभी जीनोटाइप्स उच्च विचलन स्तर पर विशेषीकृत हैं। इसके अलावा, UPGMA–नेबर जॉइनिंग ट्री और PCA ग्राफ ने भी अध्ययन किए गए जीनोटाइप्स में उच्च विविधता को उजागर किया।

रुचिकर रूप से, किस्म पहचान के लिए उपयोग किए गए १२ अनार जीनोटाइप्स विभिन्न क्लस्टरों में अच्छी तरह वितरित पाए गए। इससे यह संकेत मिलता है कि चयनित मार्करों में उच्च अंतः-किस्म (Intra-varietal) पहचान क्षमता है और ये रा. अ. अ. के., सोलापुर में संग्रहित संपूर्ण अनार जीन संसाधन संग्रह के वर्णन के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।

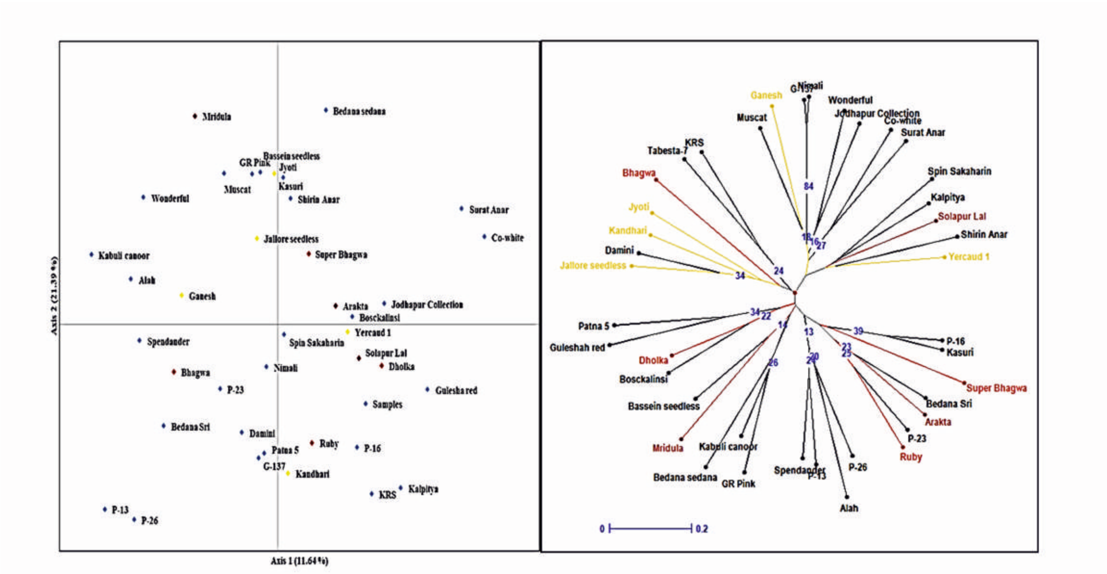

४० अनार जीनोटाइप्स के बीच आनुवंशिक संबंध दर्शाने वाला डेंड्रोग्राम और पी.सी.ए. ग्राफ, आठ मुख्य मार्करों के आधार पर किस्म विशिष्ट मार्कर आईडी उत्पन्न करने हेतु

(प्रकाश जी. पाटिल, दीपाली एस. कुलकर्णी, शिल्पा पी., के. दिनेश बाबू, चंद्रकांत अवचारे, राजीव अरविंद मराठे)

राइजोशील्ड: ट्राइकोडरमा प्रजातियों का जैव-संयोजन उत्पाद

सर्वेक्षण के दौरान मृदा नमूनों को विल्ट पीड़ित बागों के स्वस्थ पौधों से संग्रहित किया गया और लाभकारी जैविक सूक्ष्मजीवों के पृथक्करण हेतु परीक्षण किया गया। अलग-अलग माइक्रोब्स में से तीन ट्राइकोडरमा प्रजातियों की पहचान और विश्लेषण किया गया, जिन्हें विशेष रूप से अनार के रोगजनकों, जैसे विल्ट फंगस और रूट-नॉट नीमैटोड, के खिलाफ उनकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए व्यक्तिगत और संयोजन में परीक्षण किया गया। इनके अनुकूलता, इन-विट्रो रोगजनक अवरोधन, पॉली हाउस प्रयोग और पौध विकास संवर्धक क्षमता के परिणामों के आधार पर विकसित कन्सोर्टिया उत्पाद को महाराष्ट्र और कर्नाटक के विभिन्न अनार उगाने वाले क्षेत्रों (१५० एकड़) में फील्ड कंडीशन्स में परीक्षण किया गया। किसानों द्वारा इस उत्पाद के माध्यम से विल्ट रोग की रोकथाम और जड़ों के प्रचुर विकास में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई। इस उत्पाद को अल्पकालिक नाम 'राइजोशील्ड' दिया गया है।

(सोमनाथ पोखरे, मंजुनाथ एन., मल्लिकार्जुन एम. एच., एवं राजीव अरविंद मराठे)

अनार के कीटों के खिलाफ एंटोमोपैथोजन का प्रभावशीलता मूल्यांकन

फील्ड प्रयोग अनार के चुसक कीटों जैसे थ्रिप्स, एफ़िड्स और मीलीबग्स के खिलाफ चार एंटोमोपैथोजन कवक और एक एंटोमोपैथोजन बैक्टीरिया की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए किया गया, जिसमें प्रत्येक का उपयोग ५g/ml/l पानी की दर से किया गया और *Cyantraniliprole* १०.२६% OD को मानक नियंत्रण के रूप में रखा गया। सात उपचारों में से, उपचार T१ (*Metarhizium* anisopliae १.०% W.P., CFU: १ × १०^८ / g) ने सबसे अधिक कीट नियंत्रण दिखाया, जिसमें थ्रिप्स में ५३.२५%, एफ़िड्स में ५६.४५%, और मीलीबग्स में ३८.५% की कमी देखी गई। इसके बाद उपचार T२ (*Beauveria bassiana* १.०% W.P., CFU: १ × १०^९ / g) आया, जिसमें थ्रिप्स में ५१.५५%, एफ़िड्स में ४९.२५%, और मीलीबग्स में ४०.१५% कमी हुई। उपचार T४ (*Pseudomonas fluorescens* १.०% W.P., CFU: १ × १०^८ / g) ने थ्रिप्स में ४६.२५%, एफ़िड्स में ५१.२५%, और मीलीबग्स में ३८.५५% कमी प्रदर्शित की। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि *Metarhizium anisopliae* और *Beauveria bassiana* का उपयोग अनार के लक्षित कीटों के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावशाली है।

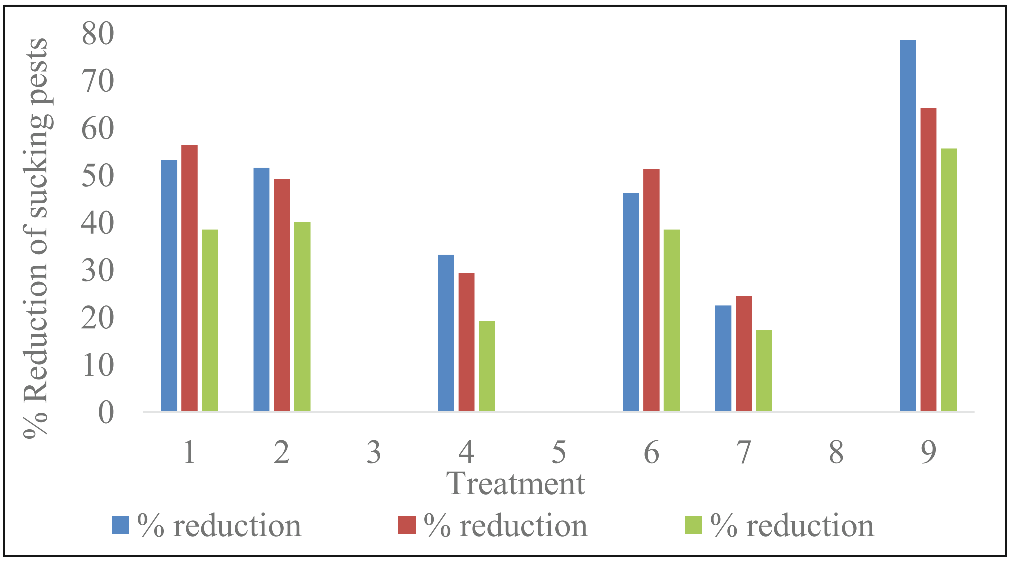

अनार के चुसक कीटों के खिलाफ विभिन्न एंटोमोपैथोजन की प्रभावशीलता

(मल्लिकार्जुन एम. एच., राजीव अरविंद मराठे, मंजुनाथ एन., सोमनाथ पोखरे)

अनार के सूखे दाने से बने फोर्टिफाइड मिलेट आधारित न्यूट्री बार्स

अधिकांश वाणिज्यिक सीरियल बार्स में स्वाद बढ़ाने के लिए अतिरिक्त शर्करा, सिरप और स्वीटनर का उपयोग किया जाता है और इनमें पर्याप्त फाइबर और प्रोटीन नहीं होता, जिससे ये लंबे समय तक पेट भरा रखने में कम प्रभावी होते हैं। न्यूट्री बार्स पारंपरिक स्नैक्स के लिए एक सुविधाजनक, पोषक तत्वों से भरपूर और स्वास्थ्य अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं और आज की तेज़-तर्रार जीवनशैली में मिनी-मील के रूप में उपयुक्त हैं। इस संदर्भ में उद्देश्य था ऐसा न्यूट्री बार विकसित करना, जो एंटीऑक्सीडेंट से समृद्ध हो और प्रतिरक्षा बढ़ाने में सहायक हो।

न्यूट्री बार के निर्माण के लिए अनार के सूखे दाने (१०–३०%), मिलेट : अनाज : दालें (१:१:१), और स्वीटनर (४०–६०%) का प्रयोग किया गया। प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले न्यूट्री बार के लिए सर्वोत्तम फॉर्मूलेशन में अनार के सूखे दाने १५–२०%, स्वीटनर ४५–५०%, और मिलेट, अनाज और दालें २५–३०% के अनुपात में उपयोग किए गए। इस फॉर्मूलेशन में ८१२ mg GAE/१००g फेनोल्स, ८७% एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि, २६% फाइबर और २७० kcal/१००g कैलोरी मूल्य पाया गया। इस बार का शेल्फ लाइफ ६ महीने तक रेफ्रिजरेटेड परिस्थितियों में सुरक्षित रहता है।

(नम्रता गिरी , निलेश गायकवाड़ एवं राजीव अरविंद मराठे)

एनआरसीपी कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किए गए कार्यक्रम (संगोष्ठी/जाल संगोष्ठी/संपोज़ियम/सम्मेलन)

- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** और **डॉ. मंजुनाथ एन.** ने ८वां एशियन PGPR अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: स्वस्थ मिट्टी, फसल और ग्रह के लिए लाभकारी सूक्ष्मजीवों का जैव-क्रांति में भाग लिया। यह सम्मेलन वर्ल्ड वेजिटेबल सेंटर, ताइवान द्वारा २५–२७ सितंबर २०२४ को एशियन PGPR सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर के सहयोग से आयोजित किया गया।
- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** ने उसी सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया: 'अनार के सतत उत्पादन के लिए मिट्टी और पौध स्वास्थ्य पर देशज माइक्रोबायोम की संभावनाओं का उपयोग'।
- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** ने वैश्विक मिट्टी सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया: "भोजन सुरक्षा से परे मिट्टी की देखभाल – जलवायु परिवर्तन शमन एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं", जो अंतर्राष्ट्रीय मिट्टी विज्ञान संघ के तत्वावधान में ICAR और NAAS के सहयोग से १९–२२ नवंबर २०२४ को NASC परिसर, नई दिल्ली में आयोजित हुआ।
- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** और **डॉ. नम्रता गिरी** ने ICAR फाउंडेशन एवं प्रौद्योगिकी दिवस में १५–१६ जुलाई २०२४ को NASC परिसर, नई दिल्ली में भाग लिया।
- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** ने "कृषि सशक्तिकरण: किसानों की समृद्धि के लिए उन्नत तकनीकों का समेकन" शीर्षक पर सहयोगी कार्यशाला में भाग लिया, जिसे ICAR-ATARI, पुणे एवं धनुका एग्रीटेक प्रा. लि. द्वारा २९ जुलाई २०२४ को कृषि महाविद्यालय, पुणे में आयोजित किया गया।
- **डॉ. सोमनाथ पोखरे** ने उसी कार्यशाला में व्याख्यान दिया: 'सतत अनार उत्पादन के लिए कार्य पैकेज'।
- **डॉ. राजीव अरविंद मराठे** ने ६४वें वार्षिक संगोष्ठी, महाराष्ट्र राज्य अंगूर उत्पादक संघ में २४–२६ अगस्त २०२४ को पुणे में व्याख्यान दिया।
- **डॉ. पिंकी रायगोंड** ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेंसर आधारित स्मार्ट प्रिसिजन फार्मिंग में प्रगति' विषयक वेबिनार में भाग लिया, जिसे डॉ. राजेंद्र माचावरम, IIT खड़गपुर द्वारा CTCRI, केरल ने २८ अगस्त २०२४ को आयोजित किया।
- **डॉ. नम्रता गिरी** और **डॉ. निलेश गायकवाड़** ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: "उभरते युवा के लिए कृषि अभियांत्रिकी शिक्षा और डिजिटल कृषि में नवाचार" में १२–१४ नवंबर २०२४ को भाग लिया, जिसे ISAE द्वारा VNMKV, परभणी, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया।
- **डॉ. निलेश गायकवाड़** ने "ताज़े केला और अनार का वैश्विक बाजार में निर्यात बढ़ाना" विषयक संगोष्ठी में भाग लिया और १४ अक्टूबर २०२४ को मुंबई, होटल फॉर्च्यून, वाशी में "अनार के निर्यात के लिए समुद्री प्रोटोकॉल" विषयक आमंत्रित प्रस्तुति दी।
- **डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.** ने "राष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह" वेबिनार में १९–२५ अक्टूबर २०२४ को भाग लिया, जिसे क्षमता निर्माण इकाई (CBU), DARE/आई.सी.ए.आर. ने आयोजित किया।
- **डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.** ने "पादप स्वास्थ्य पहलुओं पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण, जिसमें अनार के निर्यात के लिए उचित कृषि प्रथाओं, निरीक्षण और उपचार शामिल हैं" में १३ दिसंबर २०२४ को भाग लिया, जिसे DPPQ&S, फरीदाबाद, हरियाणा ने आयोजित किया।
- **डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.** ने "उद्यानिकी मेला" में २१–२३ दिसंबर २०२४ को UHS, बगलकोट, कर्नाटक में भाग लिया।
- **डॉ. शिल्पा परशुराम** ने प्रथम ICPH-२०२४ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: "सटीक उद्यानिकी – सतत उत्पादन, खाद्य और पर्यावरण के लिए प्रौद्योगिकियों में उन्नति" में २२–२४ अगस्त २०२४ को भाग लिया, जिसे उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान (TNAU), पेरियाकुलम, तमिलनाडु ने आयोजित किया।
- **डॉ. रंजन कुमार सिंह** ने "ग्लोबल सॉइल कॉन्फ्रेंस २०२४" में १९–२२ नवंबर २०२४ को भाग लिया, जिसे इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉइल साइंस, नई दिल्ली ने आयोजित किया।

- **डॉ. रंजन कुमार सिंह** ने "GIS और रिमोट सेंसिंग टूल्स" ऑनलाइन प्रशिक्षण में १८ दिसंबर २०२४ को भाग लिया, जिसे ICAR-NIAP ने आयोजित किया।
- **डॉ. रंजन कुमार सिंह** और **डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.** ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेंसर आधारित सटीक कृषि में उन्नति" कार्यशाला में २८ अगस्त २०२४ को भाग लिया, जिसे ICAR-CPCRI, कासरगोड, केरल ने आयोजित किया।
- **डॉ. रंजन कुमार सिंह** ने "ड्रोन प्रौद्योगिकी और कृषि में इसका अनुप्रयोग" प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में २–३ दिसंबर २०२४ को भाग लिया, जिसे ICAR-IIWM, भुवनेश्वर ने आयोजित किया।

किसानों/छात्रों/उद्यमियों आदि के लिए एनआरसीपी द्वारा आयोजित(कैंपस/ऑफ-कैंपस) प्रशिक्षण/फील्ड लेवल डेमो (FLDs)/ऑन-फार्म टेस्ट (OFTs)

फील्ड दिवस

- नई जारी की गई किसान किस्म 'शरद किंग' के लिए फील्ड दिवस और किसान संवाद बैठक श्री विठ्ठल भोसले और रा. अ. अ. के. के सहयोग से ४ जुलाई २०२४ को टुपेवाडी, छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित की गई। प्रतिभागी: २०००
  टीम: डॉ. शिल्पा पी., डॉ. रूपा सौजन्य पी., डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. रंजन कुमार सिंह, डॉ. राजीव अरविंद मराठे एवं श्री विठ्ठल भोसले

नई जारी की गई किसान अनार किस्म 'शरद किंग' के लिए फील्ड दिवस और किसान संवाद बैठक ४ जुलाई २०२४ को तुपेवाडी, छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित

➢ गुणवत्तापूर्ण अनार उत्पादन पर फील्ड दिवस एवं संगोष्ठी रा. अ. अ. के. के सहयोग से सिनमाई करजत एग्रो FPO, मिरजगांव द्वारा ५ अगस्त २०२४ को बेलगांव, जिला: अहिल्यानगर में आयोजित। प्रतिभागी: ९०
टीम: डॉ. सोमनाथ एस. पोखरे, डॉ. मंजुनाथ एन. एवं डॉ. संग्राम धूमल

➢ फील्ड भ्रमण: श्री यूरी रुबिनस्टीन, कृषि अटैशे, MASHAV, इजराइल दूतावास का फील्ड भ्रमण रा. अ. अ. के. और महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग के सहयोग से १० दिसंबर २०२४ को गौडवाडी, सांगोला में आयोजित।
प्रतिभागी: ६० किसान एवं सरकारी अधिकारी
टीम: डॉ. एस. एस. पोखरे एवं डॉ. रंजन कुमार सिंह

श्री यूरी रुबिनस्टीन, कृषि अटैशे, MASHAV, इजराइल दूतावास का फील्ड भ्रमण

मिरजगांव में सिनमाई करजत एग्रो FPO के सदस्यों के लिए फील्ड दिवस और संगोष्ठी

कार्यशालाएँ

1. कृषि सशक्तिकरण: किसानों की समृद्धि के लिए उन्नत तकनीकों का समेकन पर कार्यशाला, ICAR-ATARI, पुणे द्वारा धनुका एग्रीटेक प्रा. लि. के सहयोग से २९ जुलाई २०२४ को ATARI, पुणे में आयोजित।
प्रतिभागी: ३०० किसान
टीम: डॉ. राजीव अरविंद मराठे और डॉ. सोमनाथ एस. पोखरे

2. सतत और निर्यात गुणवत्ता अनार उत्पादन पर कार्यशाला, रा. अ. अ. के. के सहयोग से गुरुकृपा एग्री मार्ट द्वारा ०१ अगस्त २०२४ को गौडवाडी, ता. सांगोला, जिला सोलापुर में आयोजित।
प्रतिभागी: ४५० किसान
टीम: डॉ. राजीव अरविंद मराठे, डॉ. एस. एस. पोखरे, डॉ. नम्रता ए. गिरी, डॉ. शिल्पा पी., डॉ. संग्राम एस. धूमल

3. एक दिवसीय कार्यशाला: "अनार पौध सुरक्षा: चुनौतियाँ और संभावित समाधान", रा. अ. अ. के., सोलापुर एवं कोर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया प्रा. लि. द्वारा २३ दिसंबर २०२४ को रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित।
प्रतिभागी: ८७ किसान
टीम: डॉ. राजीव अरविंद मराठे, डॉ. एस. पोखरे, डॉ. मंजुनाथ एन., डॉ. चंद्रकांत अवाचरे और डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.

सहयोगी कार्यशाला, ICAR-ATARI, पुणे एवं धनुका एग्रीटेक प्रा. लि. द्वारा २९ जुलाई २०२४ को आयोजित

सतत और निर्यात गुणवत्ता अनार उत्पादन पर कार्यशाला, गौडवाडी, सांगोला में ०१ अगस्त २०२४ को आयोजित

एक दिवसीय कार्यशाला, रा. अ. अ. के., सोलापुर एवं कोर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया प्रा. लि. द्वारा २३ दिसंबर २०२४ को आयोजित

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

1. "अनार की कीट और रोगों का निदान एवं उनका एकीकृत प्रबंधन" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्लांट हेल्थ क्लिनिक प्रोजेक्ट के तहत, RKVY द्वारा प्रायोजित, १०–१२ जुलाई २०२४ को रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: २५ किसान संयोजक: डॉ. सोमनाथ एस. पोखरे और डॉ. मंजुनाथ एन. सह-संयोजक: डॉ. संग्राम धुमाल और डॉ. नम्रता गिरी
2. "अनार कीट और रोगों के सतत प्रबंधन के लिए जैव नियंत्रण एजेंट का उपयोग" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, RKVY के बायोकंट्रोल प्रोजेक्ट के तहत, २९–३१ जुलाई २०२४ को रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: २५, संयोजक: डॉ. मलिकरजुन एम.एच., डॉ. मंजुनाथ एन. सह-संयोजक: डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. शिल्पा पी.
3. "अनार और केला में उप-उत्पादन प्रबंधन और मूल्य संवर्धन" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, MAGNET प्रोजेक्ट, महाराष्ट्र सरकार के तहत, २२–२३ अगस्त २०२४ को रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: ३५ संयोजक: डॉ. निलेश एन. गायकवाड़, डॉ. नम्रता ए. गिरी
4. "अनार की कीट और रोगों का निदान एवं उनका एकीकृत प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्लांट हेल्थ क्लिनिक प्रोजेक्ट के तहत, RKVY द्वारा प्रायोजित, १८–२० दिसंबर २०२४ को रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: २५ किसान संयोजक: डॉ. सोमनाथ एस. पोखरे, डॉ. मंजुनाथ एन. सह-संयोजक: डॉ. रंजन कुमार सिंह, डॉ. नम्रता ए. गिरी
5. अनार में नपुंसकीकरण और परागण प्रशिक्षण, कृषि जैव प्रौद्योगिकी एवं फसल सुधार विभाग, हॉर्टिकल्चर कॉलेज, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा प्रायोजित, १९–२० दिसंबर २०२४, रा. अ. अ. के., सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: २ संयोजक: डॉ. शिल्पा परशुराम

कीट और रोग प्रबंधन पर RKVY द्वारा प्रायोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

महाराष्ट्र सरकार के MAGNET प्रोजेक्ट के तहत अनार और केला में उप-उत्पादन प्रबंधन और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण

RKVY प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम और सांगोला में प्रगतिशील अनार किसान के खेत का दौरा

अन्य कार्यक्रम

1. अनार की खेती पर संवाद बैठक, धनुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा प्रायोजित, ३१ जुलाई २०२४ को बलावाडी, जिला सांगोला में आयोजित। प्रतिभागी: ७० किसान, टीम: डॉ. संग्राम धुमाल और डॉ. सोमनाथ पोखरे
2. अनार में कीट और रोग प्रबंधन के लिए किसान संवाद बैठक, TAO, पंढरपुर एवं रा. अ. अ. के., सोलापुर द्वारा १८ अगस्त २०२४ को कोर्टी, पंढरपुर में आयोजित। प्रतिभागी: ४५ किसान, संसाधन व्यक्ति: डॉ. सोमनाथ पोखरे
3. "आईपी उपकरण जैसे कॉपीराइट, डिजाइन, पेटेंट, प्लांट वेराइटी, ट्रेडमार्क और तकनीक-लाइसेंसिंग गतिविधियाँ", रा. अ. अ. के., सोलापुर और IPTM यूनिट, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली के सहयोग से २७ अगस्त–०२ सितम्बर २०२४ को रा. अ. अ. के. में ऑनलाइन आयोजित। प्रतिभागी: ४५ (ऑनलाइन) संयोजक: डॉ. निलेश गायकवाड़, डॉ. के. डी. बाबू, डॉ. नम्रता गिरी
4. अनार तकनीकी बैठक-२०२४, SRPG FPO, हसन, कर्नाटक द्वारा प्रायोजित एवं रा. अ. अ. के. के सहयोग से ०३ दिसंबर २०२४ को सकलेशपुर, हसन, कर्नाटक में आयोजित। प्रतिभागी: ४८१, संयोजक: डॉ. मंजुनाथ एन., डॉ. निलेश गायकवाड़, डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच., डॉ. शिल्पा पी.
5. क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (QMS) पर आंतरिक ऑडिटर प्रशिक्षण, ISO ९००१:२०१५ के अंतर्गत, रा. अ. अ. के. द्वारा प्रायोजित, ०६ दिसंबर २०२४ को एन.आर.सी.पी. में आयोजित। प्रतिभागी: १९ टीम: डॉ. शिल्पा पी. और डॉ. मल्लिकार्जन एम. एच.

6. सर्वेक्षण और किसान बैठक, रा. अ. अ. के. और ISHA फाउंडेशन द्वारा आयोजित, ०२–०६ सितंबर २०२४ को बनासकांठा, गुजरात में। प्रतिभागी: ८० किसान, टीम: डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. चंद्रकांत अवाचरे, डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.
7. गुणवत्तापूर्ण अनार उत्पादन पर संवाद बैठक, रा. अ. अ. के.और मानदेशी फाउंडेशन, म्हसवड के सहयोग से २० सितंबर २०२४ को म्हसवड, जिला सातारा में आयोजित। प्रतिभागी: २२० किसान, संसाधन व्यक्ति: डॉ. सोमनाथ पोखरे
8. गुणवत्तापूर्ण अनार उत्पादन के लिए पैकेज ऑफ़ प्रैक्टिसेज, TAO, पंढरपुर और रा. अ. अ. के. के सहयोग से ०९ अक्टूबर २०२४ को खारडी, पंढरपुर, जिला सोलापुर में आयोजित। प्रतिभागी: ६० किसान, संसाधन व्यक्ति: डॉ. सोमनाथ पोखरे
9. गुणवत्तापूर्ण अनार उत्पादन तकनीक पर किसान संवाद बैठक, एग्रोवन डेली एग्रीकल्चर प्रदर्शनी, सांगली द्वारा २१ अक्टूबर २०२४ को सांगली में आयोजित। प्रतिभागी: १३५ किसान, संसाधन व्यक्ति: डॉ. सोमनाथ पोखरे

बनासकांठा में सर्वेक्षण और किसान बैठक; श्री शंकरभाई चौधरी, अध्यक्ष, बनास डेयरी के साथ बैठक, ०३–०४ सितंबर २०२४

एग्रोवॉन डेली एग्रीकल्चर प्रदर्शनी, संगली द्वारा आयोजित किसान संवाद बैठक

अनार तकनीकी सम्मेलन-2024, सकलेशपुर, हसन, कर्नाटक
प्रायोजित: SRPG FPO, हसन, कर्नाटक

रा. अ. अ. के. स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण में भाग लेना

- सभी वैज्ञानिक स्टाफ ने "क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (QMS) पर आंतरिक ऑडिटर प्रशिक्षण (ISO ९००१:२०१५)" में भाग लिया, जिसे मणुपमा टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. द्वारा ०६.१२.२०२४ को आयोजित किया गया।
- डॉ. निलेश गायकवाड़ ने "आईपी उपकरण जैसे कॉपीराइट, डिजाइन, पेटेंट, प्लांट वेराइटी, ट्रेडमार्क और तकनीक-लाइसेंसिंग गतिविधियाँ" पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे रा. अ. अ. के. एवं IPTMU, आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा २७ अगस्त–०२ सितम्बर २०२४ के दौरान आयोजित किया गया।
- सभी वैज्ञानिक स्टाफ ने iGOT पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन मोड में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (QMS) – ISO ९००१:२०१५ पर आंतरिक ऑडिटर प्रशिक्षण, ०६.१२.२०२४ को एनआरसीपी, सोलापुर में आयोजित

कृषि प्रदर्शनियाँ / किसान मेले में भाग लेना / प्रदर्शित तकनीक

- आई.सी.ए.आर. फाउंडेशन और टेक्नोलॉजी दिवस – १५–१६ जुलाई २०२४ को NASC, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में रा. अ. अ. के. तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।
- कर्मयोगी सुधाकरपंत परिचारक कृषि महोत्सव, APMC, पंढरपुर द्वारा १५–१९ जुलाई २०२४ को पंढरपुर में आयोजित
- ICAR-IIHR-Industry Meet-२०२४ (२[nd]) और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी, IIHR, बैंगलुरु में २४ अक्टूबर २०२४ को आयोजित। प्रतिभागी: २५० किसान और उद्यमी
- ग्लोबल सॉइल कॉन्फ्रेंस में रा. अ. अ. के. स्टॉल के माध्यम से तकनीक प्रदर्शन, १९–२२ नवम्बर २०२४, NAAS कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।
- हॉर्टिकल्चर फेयर-२०२४, UHS, बागलकोट, २१–२३ दिसंबर २०२४ में भाग लिया।
- किसान दिवस समारोह, ATARI, पुणे, २३ दिसंबर २०२४ में रा. अ. अ. के. स्टॉल के माध्यम से तकनीक प्रदर्शन।
- DFR पुणे समारोह, २६ दिसंबर २०२४ में रा. अ. अ. के. स्टॉल के माध्यम से तकनीक प्रदर्शन।

DFR पुणे में रा. अ. अ. के. स्टॉल के माध्यम से तकनीक प्रदर्शन के दौरान DG, आई.सी.ए.आर. का दौरा (२६.१२.२०२४)

NAAS कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में ग्लोबल सॉइल कॉन्फ्रेंस में रा. अ. अ. के. स्टॉल के माध्यम से तकनीक प्रदर्शन (१९–२२ नवम्बर २०२४)

Dr. PDKV, अकोला में AGROTECH-२०२४ में रा. अ. अ. के. प्रदर्शनी स्टॉल (२७–२९ दिसंबर २०२४)

UHS, बागलकोट, कर्नाटक द्वारा आयोजित तीन दिवसीय "टोटागरिक मेला" (हॉर्टिकल्चर फेयर) (२१–२३ दिसंबर २०२४)

पंढरपुर में कृषि पंढरी २०२४ में रा. अ. अ. के. प्रदर्शनी स्टॉल

डॉ. सोमनाथ पोखरे ने २nd ICAR-IIHR-Industry Meet-२०२४ में रा. अ. अ. के. तकनीक की प्रस्तुति दी और प्रदर्शनी स्टॉल का संचालन किया

रा. अ. अ. के. स्टाफ द्वारा प्राप्त सहकर्मी मान्यता / पुरस्कार / सम्मान

- **डॉ. राजीव मराठे, डॉ. निलेश गायकवाड** और **डॉ. नम्रता गिरी** को APEDA, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। इसमें उन्होंने अमेरिका निर्यात के लिए आवश्यक अनार के उपचारित नमूनों के स्थैतिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। यह कार्य APEDA, NPPO, MSAMB और INI Farms के सहयोग से किया गया।
- **डॉ. मंजुनाथ एन.** को उनके प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग राइजोबैक्टीरिया के क्षेत्र में असाधारण योगदान और उपलब्धियों के लिए उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार २५–२७ सितंबर २०२४ को वर्ल्ड वेजिटेबल सेंटर, ताइवान में आयोजित ८वें एशियन PGPR अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया गया।
- **डॉ. शिल्पा परशुराम** को उनके बागवानी क्षेत्र में योगदान के लिए ISHRD, उत्तराखंड द्वारा "Himadri Young Scientist Award – २०२३" प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार प्रोग्रेसिव हॉर्टिकल्चर नेशनल सिम्पोजियम, HNBGU, श्रीनगर में १७–१९ अक्टूबर २०२४ को आयोजित किया गया।
- **डॉ. राजीव मराठे** और **डॉ. सोमनाथ पोखरे** को Mashav टीम के रा. अ. अ. के. सोलापुर में स्वागत और अनार के खेत दौरे (९–१० दिसंबर २०२४) के लिए इसराइल दूतावास, नई दिल्ली से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।
- **डॉ. शिल्पा परशुराम** को उनके कार्य 'सोलापुर तपोरत्न' – एक जल्दी पकने वाली व्यावसायिक अनार किस्म के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार पहली ICPH-२०२४ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर सटीक बागवानी – सतत उत्पादन, खाद्य और पर्यावरण के लिए उन्नत तकनीकों को बढ़ावा देना, हॉर्टिकल्चर कॉलेज और रिसर्च इंस्टिट्यूट (TNAU), पेरियाकुलम, तमिलनाडु में २२–२४ अगस्त २०२४ को आयोजित किया गया।
- **डॉ. नम्रता गिरी** को "भारतीय कृषि अभियांत्रण संघ द्वारा आयोजित 'कृषि अभियांत्रण शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: युवा पीढ़ी के लिए कृषि परिवर्तन में अवसर' और 'अगली पीढ़ी की डिजिटल कृषि के लिए अभियांत्रण नवाचार" में, 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' प्राप्त हुआ, १२–१४ नवम्बर २०२४, ISAE, VNMKV, परभणी।
- **डॉ. पिंकी रायगोंड** को उनके पेपर 'अनार में फूल प्रेरणा पर हार्मोनल और सिग्नलिंग अणु उपचारों का प्रभाव', के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' प्राप्त हुआ। कृषि और संबद्ध विज्ञानों में वर्तमान नवाचार और प्रौद्योगिकी उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गुरु काशी विश्वविद्यालय' तलवंडी साबू, बठिंडा (पंजाब), २९–३१ अगस्त २०२४।
- **डॉ. सोमनाथ पोखरे** को KVK, सोलापुर-I के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया, २५ जुलाई २०२४।

- **डॉ. सोमनाथ पोखरे** को KVK, मालेगांव के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया, २ दिसंबर २०२४।
- **डॉ. के. डी. बाबू** को रा. अ. अ. के., सोलापुर की प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया, आई.सी.ए.आर. आदेश क्रमांक HS/४-०१/२०२२-IA-V (E-Office no.१९२०५८) दिनांक ०८.०७.२०२४ के अनुसार, अवधि ०९.०४.२०२४ तक।

प्रौद्योगिकी का विकास / प्रमाणित / व्यावसायीकरण / संबंध / सहयोग / समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित

आई.सी.ए.आर. द्वारा स्थापना दिवस पर प्रमाणित प्रौद्योगिकियाँ

ICAR-HS-NRCPom-Technology-2024-055

भाकृअनुप
ICAR

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Certified that

N.V. Singh
(Lead Developer)

Associate Developers
R.A. Marathe, K.D. Babu
Chandrakant Awachare

of

ICAR-NRC on Pomegranate, Solapur

has developed the technology

In vitro propagation of pomegranate cvs. Bhagwa and Super Bhagwa including Bio-hardening

16th July, 2024
New Delhi

(Vishaw Bandhu Patel)
Assistant Director General (F&PC)

(Sanjay Kumar Singh)
Deputy Director General (HS)

- अनार किस्म भगवा और सुपर भगवा का इन विट्रो प्रसार (In vitro propagation) एवं बायो-हार्डनिंग, मुख्य विकासकर्ता: डॉ. एन. वी. सिंह, सह विकासकर्ता: डॉ. राजीव अरविंद मराठे, डॉ. के. डी. बाबू, डॉ. चंद्रकांत अवचारे
  विशेष उल्लेख: आई.सी.ए.आर. के हॉर्टिकल्चर SMD द्वारा चयनित ५ तकनीकों में से एक, जिसे संस्थान स्थापना दिवस पर जारी किया गया।
- "अनार के छाल पाउडर से फाइबर-समृद्ध मफिन्स (Fiber-Enriched Muffins)" मुख्य विकासकर्ता: डॉ. नम्रता ए. गिरी, सह विकासकर्ता: डॉ. निलेश एन. गायकवाड, डॉ. मंजुनाथ एन., डॉ. पिंकी रायगोंड
- "अनार की बैक्टीरियल ब्लाइट (*X. axonopodis pv. punicae*) के प्रति एंडोफाइट आधारित प्रतिरोध: एक पर्यावरण अनुकूल और सतत दृष्टिकोण" मुख्य विकासकर्ता: डॉ. मंजुनाथ एन., सह विकासकर्ता: डॉ. एन. वी. सिंह, डॉ. जे. शर्मा, डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. राजीव अरविंद मराठे, डॉ. मल्लिकर्जुन एम. एच.
- "कॉन्वेंशनल पीसीआर आधारित बैक्टीरियल ब्लाइट रोग का प्रारंभिक और त्वरित पहचान (Early and Quick Detection)", मुख्य विकासकर्ता: डॉ. मंजुनाथ एन., सह विकासकर्ता: डॉ. जे. शर्मा, डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. राजीव अरविंद मराठे, डॉ. एम. एच. मलिकार्जुन, डॉ. पी. जी. पाटिल
- "अनार के बीज नरमी (Seed mellowness) के लिए माइक्रो-आर.एन.ए आधारित SSR मार्कर्स का विकास" मुख्य विकासकर्ता: डॉ. पी. जी. पाटिल, सह विकासकर्ता: डॉ. एन. वी. सिंह, डॉ. के. डी. बाबू, डॉ. जे. शर्मा, डॉ. राजीव अरविंद मराठे

ICAR-HS-NRCPom-Process-2024-054

भाकृअनुप
ICAR

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Certified that

N.A. Giri
(Lead Developer)

Associate Developers
N.N. Gaikwad
N. Manjunatha
Pinky Raigond

of

ICAR-NRC on Pomegranate, Solapur

has developed the technology

Fibre-enriched muffins using pomegranate peel powder

16th July, 2024
New Delhi

(Vishaw Bandhu Patel)
Assistant Director General (F&PC)

(Sanjay Kumar Singh)
Deputy Director General (HS)

ICAR-HS-NRCPom-Methodology-2024-052

भाकृअनुप
ICAR

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Certified that

N. Manjunatha
(Lead Developer)

Associate Developers
J. Sharma, P. Somnath, R.A. Marathe
M.H. Mallikarjun, P.G. Patil

of

ICAR-NRC on Pomegranate, Solapur

has developed the technology

Conventional PCR-based early and quick detection of bacterial blight pathogen (*Xanthomonas* sp.)

16th July, 2024
New Delhi

(Vishaw Bandhu Patel)
Assistant Director General (F&PC)

(Sanjay Kumar Singh)
Deputy Director General (HS)

ICAR-HS-NRCPom-Technology-2024-053

भाकृअनुप
ICAR

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Certified that

N. Manjunatha
(Lead Developer)

Associate Developers
N.V. Singh, J. Sharma, Somnath Pokhare
R.A. Marathe, M.H. Mallikarjun

of

ICAR-NRC on Pomegranate, Solapur

has developed the technology

An endophyte mediated resistance against bacterial blight of pomegranate (*X. axonopodis* pv. *punicae*): An eco-friendly and sustainable approach

16th July, 2024
New Delhi

(Vishaw Bandhu Patel)
Assistant Director General (F&PC)

(Sanjay Kumar Singh)
Deputy Director General (HS)

ICAR-HS-NRCPom-Technology-2024-051

भाकृअनुप
ICAR

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Certified that

P.G. Patil
(Lead Developer)

Associate Developers
N.V. Singh, K.D. Babu
J. Sharma, R.A. Marathe

of

ICAR-NRC on Pomegranate, Solapur

has developed the technology

Development of micro-RNA based SSR markers for seed mellowness in pomegranate

16th July, 2024
New Delhi

(Vishaw Bandhu Patel)
Assistant Director General (F&PC)

(Sanjay Kumar Singh)
Deputy Director General (HS)

- रा. अ. अ. के. को मानव संसाधन प्रबंधन (Human Resource Management) के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र (Centre of Excellence) के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता Agribusiness Network Project (MAGNET), MSAMB, महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदान की गई। इसके लिए संबंधित MoU भी हस्ताक्षरित किया गया है।

प्रकाशन

अनुसंधान पत्र

1. गिरी, एन. ए., भांगले, ए., गायकवाड, एन. एन., मंजुनाथ, एन., रायगोंड, पी., और मराठे, राजीव अरविंद (२०२४)। अनार छाल पाउडर को प्राकृतिक संरक्षक और रासायनिक संरक्षकों के रूप में उपयोग करने पर मफिन की गुणवत्ता और शेल्फ जीवन पर तुलनात्मक अध्ययन। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स*, १४(१), १०३०७। (NAAS स्कोर: १०.६)
2. शिल्पा, पी., वी. पी. भोसले, पी. रूपा सौजन्या, के. डी. बाबू, ए. आर. गिरमे, टी. एच. दफाले और डॉ. राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। नई अनार किस्म ''शरद किंग'' के रूपात्मक और भौतिक-रासायनिक लक्षण। *एग्रीकल्चरल रिसर्च*. https://doi.org/१०.१००७/s४०००३-०२४-००७९९-३ (NAAS स्कोर: ७.४)

3. पाटिल, पी. जी., जम्मा, एस. एम., मंजुनाथ, एन., बाबू, के. डी., गायकवाड, एन., रायगोंड, पी., शिल्पा, पी., मुरकुटे, ए. ए., बोहरा, ए., और राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। अनार (*Punica granatum* L.) में ब्रीडिंग अनुप्रयोगों के लिए नवीन InDel मार्कर्स का विकास। *प्लांट ब्रीडिंग*, ०:१–१९. https://doi.org/१०.११११/pbr.१३२३९ (NAAS स्कोर: ७.५)
4. रायगोंड, पी., सिंह, एन. वी., मोरे, ए. के., परशुराम, एस., गिरी, एन. ए., अवचारे, सी., रूपा एस., पाटिल पी. जी., बाबू डी. के., और राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। अनार के फूल आने, फल लगने और फल गुणवत्ता सुधारने के लिए पी.जी.आर्स, पॉलीएमाइंस और पोटेशियम का प्रभाव। *बायोकैटेलिसिस एंड एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी*, ६१, १०३३५५ (NAAS स्कोर: ९.४०)
5. गायकवाड, एन. एन., कदम, ए. ए., गिरी, एन. ए., सूर्यवंशी, एस. के., और राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। फोम मैट ड्राइंग के माध्यम से अनार के जूस पाउडर में जैविक यौगिकों का संरक्षण बढ़ाना। *जर्नल ऑफ फूड प्रोसेस इंजीनियरिंग*, ४७(८), e१४७०७ (NAAS स्कोर: ९.००)
6. गायकवाड, एन. एन., गिरी, एन. ए., सूर्यवंशी, एस. एस., और राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। अनार के दानों का ऑस्मोटिक सहायक संवहन ड्राइंग: प्रक्रिया अनुकूलन, संरचनात्मक विश्लेषण, और जैव सक्रिय यौगिकों का मूल्यांकन। *इंटरनेशनल फूड रिसर्च जर्नल*, ३१(३), ६२४-६३६ (NAAS स्कोर: ७.१७)
7. मंजुनाथ, एन., पोखरे, एस. एस., अग्रवाल, आर., सिंह, एन. वी., शर्मा, जे., हर्सुर, एम. एम., और राजीव अरविंद मराठे (२०२४)। क्षेत्रीय परिस्थितियों में मूल एन्डोफाइटिक *Bacillus* spp. का उपयोग करके अनार में बैक्टीरियल ब्लाइट का संभावित जैव नियंत्रण। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, १५, p.१४९११२४ (NAAS स्कोर: १०.००)

पुस्तकें

- डॉ. राजीव अरविंद मराठे, के. दिनेश बाबू और रूपा सौजन्या (२०२४) "अनार की खेती में तकनीकी नवाचार २००५–२०२१", आई.सी.ए.आर- रा. अ. अ. के. पुस्तक संख्या: एन.आर.सी.पी./२०२४/१,आई.सी.ए.आर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र, सोलापुर ४१३२५५ (महाराष्ट्र), पृष्ठ: १–११०, ISBN – ९७८-८१-९८०२३१-३-१

लोकप्रिय लेख

- गायकवाड, निलेश एन., गिरी, नम्रता ए., और मराठे, राजीव अरविंद (२०२४)। "अनार के रस के जैव-सक्रिय यौगिकों की सुरक्षा हेतु फोम मैट ड्राइंग।" रा. अ. अ. के. ई-न्यूज़लेटर, जनवरी–जून २०२४, पृ. १।
- गिरी, नम्रता ए., गायकवाड, निलेश एन., और मराठे, राजीव अरविंद (२०२४, अप्रैल)। "अनार के रस प्रसंस्करण उद्योग से उत्पन्न उप-उत्पाद और उनके अनुप्रयोग।" एग्रो इंडिया मैगज़ीन, अप्रैल, पृ. १५–१६।

प्रशिक्षण मैनुअल

- मल्लिकार्जुन एम.एच., बाबू के. डी., पिंकी रायगोंड, शिल्पा परशुराम और राजीव मराठे "अनार में कीट और रोगों के सतत प्रबंधन हेतु जैव नियंत्रण एजेंट का उपयोग" पर ई-प्रशिक्षण मैनुअल, आयोजन: आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र, सोलापुर और RKVY, महाराष्ट्र सरकार' अवधि: २९–३१ जुलाई २०२४, ई-प्रशिक्षण मैनुअल संख्या: NRCP/२०२४/२, पृष्ठ: ९०
- सोमनाथ पोखरे, मंजुनाथ एन., नम्रता ए. गिरी, आर. के. सिंह और राजीव मराठे "अनार में कीट और रोगों की पहचान एवं समेकित प्रबंधन पर प्रशिक्षण मैनुअल", प्रशिक्षण मैनुअल संख्या: NRCP/RKVY/२०२४/०२, पृष्ठ: ६१

सफलता की कहानी

- गायकवाड, निलेश एन., गिरी, नम्रता ए., मराठे, राजीव ए (२०२४)। "बाधाओं को तोड़ना, महाद्वीपों को जोड़ना: अमेरिका के लिए भारतीय अनार निर्यात में एन.आर.सी.पी. की पहल – एक सफलता की कहानी"। टेक फोल्डर/ NRCP/२०२४/०१, रा. अ. अ. के. (एन.आर.सी.पी.) , सोलापुर, पृष्ठ: १-८।

नई स्वीकृत परियोजनाएँ

- अनार में खरपतवार नियंत्रण दक्षता और फसल सुरक्षा स्तर के लिए हर्बिसाइड इंडाज़िफ़्लैम २०ग्रा/ली + ग्लाइफ़ोसाफ़–आइसोप्रोपाइल अमोनियम ५४०ग्रा/ली SC (Alion Plus) का मूल्यांकन। वित्त पोषण एजेंसी: बायर क्रॉप साइंस लिमिटेड। बजट: २६,४७,३३०/-. प्रोजेक्ट मुख्य अनुसंधानकर्ता (PI): डॉ. सी. के. दिनेश बाबू, सह-अनुसंधानकर्ता (Co-PI): डॉ. रंजन कुमार सिंह।
- अनार में थ्रिप्स के खिलाफ बायो-प्रभावकारिता के लिए स्पिडोक्सामेट ९.६% + स्पिनेटोरम १२% WG का मूल्यांकन, और अनार में मीलीबग्स और फ्रूट बोरर (अनार बटरफ्लाई) के खिलाफ बायो-प्रभावकारिता के लिए स्पिडोक्सामेट ९.६% + स्पिनेटोरम १२% WG का मूल्यांकन। वित्त पोषण एजेंसी: बायर क्रॉप साइंस लिमिटेड। बजट: ३६,१२,८४१/-. प्रोजेक्ट PI: डॉ. मल्लिकार्जुन एम. एच.

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान ने १५ अगस्त २०२४ को ७८वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी उत्सुकता और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज डॉ. राजीव अरविंद मराठे, निदेशक, एन.आर.सी.पी. द्वारा संस्थान के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक और संविदा कर्मचारियों की उपस्थिति में फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात, निदेशक, एन.आर.सी.पी. ने उपस्थित जनसमूह को प्रेरक भाषण देते हुए इस दिन के महत्व और संस्थान के राष्ट्रीय विकास में योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर, आई.सी.ए.आर. द्वारा हाल ही में संस्थान के स्थापना दिवस पर जारी की गई प्रौद्योगिकियों के विकास में संलग्न वैज्ञानिकों को उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सम्मान और देखभाल के प्रतीक के रूप में, निदेशक ने केंद्र में कार्यरत कृषि मजदूरों को सुरक्षा जूते और कार्य वस्त्र भी वितरित किए।

अनुसंधान सलाहकार समिति (RAC)

राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र की सत्रहवीं अनुसंधान सलाहकार समिति (१७वीं RAC) की बैठक २३ जुलाई, २०२४ को आई.सी.ए.आर.–एन.आर.सी.पी., सोलापुर में आयोजित की गई थी। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. सी. डी. माई, पूर्व ASRB अध्यक्ष, नई दिल्ली ने की। डॉ. के. दिनेश बाबू, सदस्य सचिव ने माननीय अध्यक्ष और RAC के प्रतिष्ठित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। इसके पश्चात, डॉ. राजीव अरविंद मराठे, निदेशक, रा. अ. अ. के. ने RAC टीम का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद वैज्ञानिकों और RAC सदस्यों का परिचय कराया गया। अध्यक्ष महोदय ने डॉ. वी. बी. पटेल, ए.डी.जी. (HS-II) से आई.सी.ए.आर. की इस संस्थान से अपेक्षाओं के बारे में बात करने का अनुरोध किया। तत्पश्चात, हर अनुसंधान समूह (बागवानी, फसल सुधार, सुरक्षा) के एक वैज्ञानिक ने अपने समूह की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

दोपहर में समिति ने प्रयोगशालाओं और क्षेत्रीय प्रयोगों का दौरा किया तथा संस्थान के भविष्य के अनुसंधान कार्यों के दिशा-निर्देश दिए। अंत में, अध्यक्ष डॉ. सी. डी. माई ने संस्थान की उपलब्धियों और रा. अ. अ. के. द्वारा किए गए आउटरीच एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों की सराहना की और सुझाव दिया कि भविष्य में रोग और कीट प्रबंधन के लिए लाभकारी सूक्ष्मजीवों के फॉर्मूलेशन पर कार्य किया जाए।

राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के निदेशक द्वारा RAC अध्यक्ष का सम्मान और RAC समिति के साथ राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा अभिवादन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (Vigilance Awareness Week)

रा. अ. अ. के. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन २८-३१ अक्टूबर २०२४ के दौरान किया गया। केंद्र के सतर्कता नोडल अधिकारी, डॉ. के. दिनेश बाबू ने कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने, शासन और सार्वजनिक जीवन में "ईमानदारी की संस्कृति" को प्रोत्साहित करने, और निवारक सतर्कता तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के महत्व के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के वैज्ञानिक और प्रशासनिक कर्मचारी ने सतर्कता संकल्प लिया और ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रा. अ. अ. के. का २०वाँ स्थापना दिवस

रा. अ. अ. के., सोलापुर का २०वाँ स्थापना दिवस डॉ. परमेश्वर शिरागुरे, निदेशक-इन-चार्ज की अध्यक्षता में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. लालासाहेब ताम्बड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, कृषी विज्ञान केंद्र, सोलापुर ने इस अवसर को शान प्रदान किया, जबकि डॉ. नितिन कुमार रंशुर, मुख्य वैज्ञानिक एवं एडीआर, सोलापुर और डॉ. बस्वराज रायगोंड, वरिष्ठ वैज्ञानिक, रबी ज्वारी संशोधन केंद्र, भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, सोलापुर अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश बाबू ने किया और केंद्र की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर रा. अ. अ. के. द्वारा २००५ से २०२१ तक विकसित अनार तकनीकों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में कर्नाटक के अनार किसान श्री नटेश और महाराष्ट्र, नासिक के श्री रामहरी सुरसे का सम्मान किया गया। स्वच्छता ही सेवा पहल के तहत संस्थान के सफाईकर्मियों को सफाईमित्र सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही अनुसूचित जाति उप-योजना (SCSP) के अंतर्गत अनुसूचित जाति के किसानों को ब्रश कटर वितरित किए गए। अपने सम्बोधनों में डॉ. ताम्बड़े और डॉ. रायगोंड ने रा. अ. अ. के. के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. दिनेश बाबू और डॉ. संग्राम धुमाल ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रंजन सिंह ने प्रस्तुत किया।

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अभियान के अंतर्गत रा. अ. अ. के. में दिनांक २१ अगस्त, २०२४ को "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एन.आर.सी.पी. परिवार के सभी कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कुल ४४० पौधों का रोपण दो चरणों में किया गया।

हिंदी पखवाडा

राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र में १४ से २७ सितंबर २०२४ के दौरान हिंदी पखवाडा मनाया गया। श्री संजीव कुमार, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस पखवाड़े के दौरान विभिन प्रतियोगिताएं जैसे कि आशुभाषण, वाद-विवाद, निबंध, हिंदी टिप्पण व् प्रारूप लेखन/पत्र लेखन, प्रश्न मंच, हिंदी काव्य पाठ, कंप्यूटर पर यूनिकोड में हिंदी टाइपिंग व कहानी लेखन का आयोजन कराया गया। हिंदी पखवाड़े में केंद्र के सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हिंदी पखवाड़े का समापन प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सर्टिफिकेट्स देने से हुआ।

१९वीं पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह

रा. अ. अ. के., सोलापुर में १६ से २२ अगस्त २०२४ तक पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पार्थेनियम घास के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके प्रबंधन को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक, रा. अ. अ. के. द्वारा मेक्सिकन बीटल के विमोचन से हुई, जो जैविक नियंत्रण रणनीति का हिस्सा था। इसके बाद, सभी स्टाफ के साथ पार्थेनियम निकालने का अभियान आयोजित किया गया। सप्ताह भर कई गतिविधियां संचालित की गईं, जिनमें शामिल हैं: किसानों और स्कूल के छात्रों के लिए जागरूकता अभियान, पार्थेनियम बायोमास से कंपोस्ट बनाने का प्रदर्शन, हर्बिसाइड का प्रयोग और प्रदर्शन, आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने के लिए छात्र रैली। सभी गतिविधियों का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता और पार्थेनियम प्रबंधन के प्रति समर्पण को बढ़ावा देना था।

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत गतिविधियाँ

स्वच्छता ही सेवा एवं महात्मा गांधी की १५५वीं जयंती

‘स्वच्छ भारत अभियान’ के अंतर्गत, जिसका नेतृत्व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया जा रहा है, रा. अ. अ. के. ने ‘स्वच्छता ही सेवा’ कार्यक्रम का आयोजन १५ सितम्बर से ०२ अक्टूबर २०२४ तक किया। इस अवधि में संस्थान परिसर में स्वच्छता अभियान, महात्मा गांधी की १५५वीं जयंती का उत्सव, तथा स्वच्छता कर्मियों को प्राथमिक उपचार किट एवं वस्त्र वितरण जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते पाटील विद्यालय, केगांव, सोलापुर में वटवृक्ष एवं पीपल के पौधों का रोपण भी किया गया।

प्रसार गतिविधियाँ

एस.सी.एस.पी. परियोजना के अंतर्गत गतिविधियाँ

- रा. अ. अ. के., सोलापुर में १०–११ जुलाई २०२४ को दो दिवसीय ‘किसान–वैज्ञानिक संवाद एवं कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम’ आयोजित किया गया। इसमें सोलापुर जिले के लगभग १०५ किसानों ने भाग लिया और उन्हें कीटनाशक, फफूंदनाशी, जैविक खाद एवं उर्वरक जैसे कृषि इनपुट प्रदान किए गए। स्वतंत्रता दिवस (१५ अगस्त २०२४) के अवसर पर संस्थान में इनपुट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें खेतिहर मजदूरों को गमबूट एवं दस्ताने वितरित किए गए।
- दिनांक २५ सितम्बर २०२४ को एक दिवसीय ‘किसान–वैज्ञानिक संवाद एवं कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम’ आयोजित किया गया, जिसमें २० किसानों को निराई मशीन (वीड कटर) जैसी कृषि मशीनरी वितरित की गई। ३० सितम्बर २०२४ को उत्तर सोलापुर के करंबा में ‘शुष्क क्षेत्रों में उन्नत फल उत्पादन’ विषय पर एक प्रशिक्षण व् कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान १,५०० आम के पौधे, १,५०० कागजी नींबू पौधे एवं जैव उर्वरक किसानों को वितरित किए गए।

कारंबा, सोलापुर में ०२.१०.२०२४ को कृषि सामग्री वितरण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

रा. अ. अ. के. के २०वें स्थापना दिवस पर एस.सी.एस.पी. योजना अंतर्गत कृषि सामग्री वितरण

एस.टी.सी. के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

रा. अ. अ. के. ने ०२ जुलाई २०२४ को नासिक जिले के आदिवासी किसानों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण, कृषि सामग्री वितरण व् प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। यह पहल अनार अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (पी.आर.टी.टी.सी.), लक्ष्मापुर तथा महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग के सहयोग से आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नासिक जिले के आदिवासी किसानों को एस.टी.सी. योजना अंतर्गत सहायता प्रदान करना था। कार्यक्रम में व्याख्यान श्रृंखला एवं व्यवहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनसे किसानों को प्रभावी कृषि पद्धतियों के संबंध में उपयोगी जानकारी मिली।

वितरित सामग्री: साइकिल – ४२, बैकपैक स्प्रेयर – ४१, एन.पी.के. १९:१९:१९ (५ कि.ग्रा. पैक), नैनो डी.ए.पी. (५०० मि.ली. पैक), सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण (राज्य ग्रेड) – ५०० मि.ली. पैक, फिप्रोनिल ४०% + इमिडाक्लोप्रिड (२५० ग्राम पैक), प्रोपिकोनाजोल २५% ई.सी. (१ लीटर पैक), एस.एच.बी. संबंधी साहित्य

लाभार्थियों की संख्या: ४२

लक्ष्मापुर, नासिक, महाराष्ट्र में एस.टी.सी.–टी.एस.पी. योजना अंतर्गत एस.टी. लाभार्थियों को कृषि सामग्री एवं उपकरणों का वितरण एवं प्रदर्शन

सी.आई.टी.एच., श्रीनगर के साथ अनुसंधान सहयोग

रा. अ. अ. के. ने आई.सी.ए.आर.–सी.आई.टी.एच., श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) के सहयोग से समशीतोष्ण जलवायु परिस्थितियों में अनार की किस्म 'सोलापुर अनारदाना' के परिचय एवं मूल्यांकन की पहल की है।

किसान एवं छात्र आगंतुक

क्र.सं.	तिथि	संगठन/स्थान	आगंतुक का प्रकार	संख्या
१	१२/०७/२४	आलेफाटा, पुणे से किसान समूह	किसान	१२
२	०७/०८/२४	शरदचंद्र पवार कृषि महाविद्यालय, बारामती	छात्र	०६
३	०८/०८/२४	सिद्धनाथ लोकविकास प्रतिष्ठान, मंगळवेढा, सोलापुर	छात्र	४०
४	१३/०८/२४	जयंतराव भोसले कृष्णा कृषि महाविद्यालय, राठारे बी.के.	छात्र	०८
५	२३/०८/२४	एस. आर. चंदक इंग्लिश हाई स्कूल, सोलापुर	छात्र	२४
६	२५/०९/२४	लोकमंगल कॉलेज ऑफ ए.बी.एम., वडाला, सोलापुर	छात्र	४३
७	२७/०९/२४	कर्मवीर डॉ. एम. जगदाले कृषि महाविद्यालय, बार्शी	छात्र	५३
८	३०/०९/२४	श्रीराम ग्रामीण संशोधन व विकास प्रतिष्ठान के ए.सी.ए.बी.सी. छात्र	छात्र	२०
९	३०/०९/२४	ए.बी.आई.एम. एवं एस.एस., सोलापुर (भारती विद्यापीठ अंतर्गत)	छात्र	३७
१०	११/१०/२४	सी.पी. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, सरदारकृषिनगर दांतीवाडा कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात	छात्र	९६
११	१५/१०/२४	सी.पी. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, सरदारकृषिनगर दांतीवाडा कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात	छात्र	९७
१२	१२/११/२४	कलासलिंगम स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड हॉर्टिकल्चर, कृष्णनकोइल, तमिलनाडु	छात्र	३५
१३	०३/१२/२४	श्रीराम ग्रामीण संशोधन व विकास प्रतिष्ठान के ए.सी.ए.बी.सी. छात्र	छात्र	१४
१४	०९/१२/२४	एस.बी.झेड. महाविद्यालय, बार्शी	छात्र	३०
१५	१७/१२/२४	पीएम श्री. केंद्रीय विद्यालय, सोलापुर	छात्र	१८०

रा. अ. अ. के. में ए.बी.आई.एम. एवं एस.एस., सोलापुर के छात्र

रा. अ. अ. के., सोलापुर में आलेफाटा, पुणे से किसान समूह

लोकमंगल कॉलेज

सी.पी. कृषि कॉलेज, गुजरात

रा. अ. अ. के. में विकसित सुविधाएँ

दो नए प्रायोगिक ब्लॉक विकसित किए:

१. न्यू ब्रीडिंग ब्लॉक – अनार में फल के रंग के आनुवंशिक संवर्द्धन हेतु (६६९ एफ१)

- स्थापना तिथि: २७ सितम्बर २०२४, स्थान: केगांव फार्म, रा. अ. अ. के., सोलापुर   उद्घाटन: आर.ए.सी. समिति द्वारा

२. **नया प्रायोगिक ब्लॉक** – हिराज फार्म में २७ नवम्बर २०२४ को स्थापित

- उद्देश्य: नए हाइब्रिड, एलीट जेनेटोटाइप्स (बी.बी.डी. मुक्त), बड़े आकार के फलों वाले हाइब्रिड और अन्य किस्में
- पौधों की संख्या: ६००

सिक प्लॉट (Sick Plot):

अनार पर अनुसंधान हेतु रिसर्च फार्म, हिराज, रा. अ. अ. के., सोलापुर में ८००० वर्ग फीट क्षेत्र में नियंत्रित विल्ट और निमेटोड सिक प्लॉट विकसित किया गया है। मुख्य उद्देश्य: अनार की ब्रीडिंग लाइन्स की स्क्रीनिंग, नए किस्मों का परीक्षण, विशिष्ट विल्ट रोगों (*Fusarium sp.* और *Ceratocystis fimbriata*) तथा रूट-नॉट नेमाटोड के प्रति प्रतिरोधी पौधों की पहचान, जैव-प्रभावशीलता (Bio-efficacy) परीक्षण करना। यह आई.सी.ए.आर. संस्थानों में, विशेषकर बागवानी फसलों के लिए, इस तरह की पहली सुविधा है।

मधुमक्खी पालन पहल (Beekeeping Initiative):

केगांव के बी१ और बी२ ब्लॉकों के पास सात विभिन्न प्रकार के फूलों वाले पौधों का फ्लावरिंग ब्लॉक स्थापित किया गया है, जो रा. अ. अ. के. परिसर के पाँच स्थानों पर रखे गए मधुमक्खी छत्तों के लिए नेकटर और पराग का स्रोत प्रदान करता है।

उद्देश्य और गतिविधियाँ: अनार फसलों के लिए परागण सेवाओं को बढ़ाना, अनार किसानों और हितधारकों के लिए मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करना, फलों की सेटिंग में सुधार, पैदावार बढ़ाना और स्थायी मधुमक्खी पालन पद्धतियों को बढ़ावा देना, यह पहल अनार के बागानों में फलों की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार हेतु महत्वपूर्ण है।

रा.अ.अ.के. के मॉडल ऑर्चर्ड से रा.अ.अ.के. की बायोफॉर्टिफाइड किस्म 'सोलापुर लाल' की अत्यधिक पैदावार

RKVY परियोजना के तहत HPLC सुविधा का उदघाटन, निदेशक, रा.अ.अ.के. के द्वारा

फार्म में WBM सड़क का निर्माण

नियुक्ति

१. श्री कुलदीप वैश्य ने ११.०९.२०२४ को प्रशासनिक अनुभाग में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

२. सुश्री स्वीटी ने १९.११.२०२४ को वित्त अनुभाग में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

दैनिक भास्कर 2024-08-11 सोलापूर (-4)

'सोलापूर अनारदाणा' डाळिंबाचे आज पंतप्रधान मोदींच्या उपस्थितीत प्रसारण

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राने विकसित केलेल्या सोलापूरच्या डाळिंबामुळे शाश्वत शेतीला प्रोत्साहन

प्रक्रिया व्यवसायासाठी विकसित केलेली पहिलीच जात

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राने विकसित केलेले सोलापूर अनारदाना.

सोलापूर अनारदाना हे एक आश्वासक पाऊल

आव्हानांना सामोरे जाण्यासाठी विकसित

डॉ. राजीव मराठे, संचालक, राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र

पुढारी

'सोलापूर अनारदाणा' या जातीचे आज प्रसारण

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या हस्ते दिल्ली येथे होणार प्रसारण

भारतात डाळिंब संशोधन पुढे नेण्याचे कार्य

तरुण भारत संवाद

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्रामार्फत फवारणी यंत्र, खतांचे वाटप

प्रतिनिधी
सोलापूर

केंद्र शासनाद्वारे आदिवासी शेतकऱ्यांचा आर्थिक दर्जा उंचावण्यासाठी फळ शेतीकडे वळण्यासाठी प्रोत्साहन दिले जाते. त्यासाठी ट्रायबल सब प्लान नावाची योजना राबवली जाते. योजनेंतर्गत आदिवासी शेतकऱ्यांना विविध उपकरणाचे वाटप करण्यात आले.

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरमार्फत, डाळिंब संशोधन केंद्र (पी.आर.टी.सी.) लखमापूर आणि कृषी विभाग महाराष्ट्र शासन यांच्या सहकार्याने आदिवासी शेतकऱ्यांना सायकल, फवारणी यंत्र, कीटकनाशके आणि खतांचे वाटप केले. या एकदिवसीय प्रशिक्षणामध्ये डाळिंब शेती लागवडीपासून काढणीपर्यंत निगराणी कशी करावी या विषयावर राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राचे संचालक डॉ. राजीव अरविंद मराठे यांच्या मार्गदर्शनाखाली एकदिवसीय आदिवासी प्रशिक्षण पार पडले. प्रशिक्षणामध्ये डॉ. एच. एम. पाटील प्रमुख अतिथी लाभले. डॉ. संग्राम धुमाळ, राहुल डमाळे, डॉ. मल्लिकार्जुन हर्सुर, डॉ. शिल्पा परशुराम, पी.आर.टी.सी. लखमापूर केंद्र प्रमुख डॉ. सचिन हिरे, डॉ. गोकुळ अहिरे, भगवान गोराडे, तालुका कृषी अधिकारी मालेगाव आदी मान्यवर उपस्थित होते. डॉ. सचिन हिरे यांनी सूत्रसंचालन केले. प्रास्ताविक डॉ. धुमाळ यांनी केले.

सकाळ

डाळिंब संशोधन केंद्राचे सहकार्य महत्त्वपूर्ण

लक्ष्मण गायकवाड; भाळवणी येथे कृषी निविष्ठांचे वाटप

सकाळ वृत्तसेवा

मंगळवेढा, ता. २० : दुष्काळी भागातील शेतकरी डाळिंब उत्पादक शेतकऱ्यांना डाळिंब संशोधन केंद्राचे सहकार्य महत्त्वपूर्ण ठरल्याचे गौरवोद्गार सरपंच लक्ष्मण गायकवाड यांनी व्यक्त केले.

सोलापूर येथील राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राच्या वतीने भाळवणी व जालिहाळ अनुसूचित जाती प्रवर्गातील ३४ शेतकऱ्यांना मोफत विविध प्रकारच्या कृषी निविष्ठांचे वाटप करण्यात आले. त्यावेळी ते बोलत होते. यावेळी उपसरपंच सुजाता लिगाडे, ग्रा. प. सदस्य नामदेव चौगुले, उमेश शिंदे, पंपू काटकर, महादेव वाकुटे, अशोक गेजगे, रावसाहेब बेडगे, संजय कांबळे, नामदेव दोडके, रामकृष्ण कांबळे, ऑडिओ उपस्थित होते.

गायकवाड म्हणाले, डाळिंब केंद्राचे कार्यक्षेत्र देशभर आहे, डाळिंब लागवडीपासून व्यवस्थापनापर्यंत सर्व प्रकारचे तांत्रिक मार्गदर्शन या केंद्राच्या वतीने केल्यामुळे जिल्ह्यात अलीकडच्या काळात डाळिंबाचे क्षेत्रात वाढ झाली. दुष्काळी भागातील शेतकऱ्यांना कमी पाण्यावर येणारे पीक म्हणून डाळिंबाने उत्पन्न हातभार लावला. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी नेतृत्वाखाली शेतकऱ्यांसाठी हवामानावर आधारित फळ पीक विमा योजनेचे देखील त्याला जोड दिल्यामुळे पिकाच्या धोक्यापासून संरक्षण मिळाले आहे.

प्रास्ताविकात उपसरपंच सुजाता लिगाडे यांनी विविध उपक्रमाची माहिती दिली. शेतकऱ्यांना डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूर येथील केंद्र संचालक डॉ. राजीव मराठे यांचे मार्गदर्शन, डाळिंब संशोधन केंद्राचे प्रमुख शास्त्रज्ञ डॉ. संग्राम धुमाळ, शास्त्रज्ञ शिल्पा परशुराम, शास्त्रज्ञ रूप सौजन्य यांचे सहकार्य लाभले. सूत्रसंचालन डॉ. संजय कांबळे यांनी तर आभार महिबूब सुतार यांनी मानले.

Solapur, Solapur-Today
21/07/2024 Page No. 4

दिव्य मराठी सोलापूर 12-08-2024

नवी दिल्ली : भारतीय कृषी अनुसंधान संस्थान येथून १०९ वाणांचे लोकार्पण
सोलापुरी डाळिंबाचे अनारदाना वाण देशाला अर्पण

अनारदानाचे अपार महत्त्व

सोलापूरसाठी अभिमानास्पद

तरुण भारत सोलापूर

epaper.dainiktarunbharat.com
12 Aug 2024 - Page 3

पंतप्रधान नरेंद्र मोदींच्या हस्ते झाले 'सोलापूर अनारदाना' जातीचे प्रसारण

● सोलापूर डाळिंब संशोधन केंद्राने केली नवी विकसित जात

हवामान बदलाच्या आव्हानाला तोंड देणार

सकाळ

वंचित शेतकऱ्यांसाठी डाळिंब केंद्राचा कायम पुढाकार

केंद्र संचालक डॉ. राजीव मराठे यांचे मत; कृषी निविष्ठांचे वाटप

कारंबा (ता. उत्तर सोलापूर) : येथे राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राच्या वतीने अनुसूचित जाती प्रवर्गातील शेतकऱ्यांना मोफत कृषी निविष्ठांचे वाटप केंद्र संचालक डॉ. राजीव मराठे यांच्या हस्ते करण्यात आले. त्यावेळी डॉ. संग्राम धुमाळ, विनायक सुतार, डॉ. शिल्पा परशुरामी, कृषीसहायक ज्ञानदेव गोडसे आदी.

उत्तर सोलापुरातील आठ गावात वाटप

Solapur, Solapur-Today
23/07/2024 Page No. 4

लोकमत

माणदेशी फाउंडेशनमध्ये डाळिंब व्यवस्थापन कार्यक्रम उत्साहात

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्रातील शास्त्रज्ञांची उपस्थिती

लोकमत न्यूज नेटवर्क

म्हसवड : माणदेशी फाउंडेशनच्या वतीने माण तालुक्यातील डाळिंब उत्पादक शेतकऱ्यांसाठी डाळिंब व्यवस्थापन मार्गदर्शन कार्यक्रमाचे भव्य आयोजन करण्यात आले होते. यावेळी राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूर येथील शास्त्रज्ञ, प्रगतशील शेतकरी विठ्ठलराव भोसले आणि माणदेशी फाउंडेशनचे करण सिन्हा उपस्थित होते.

म्हसवड येथे पार पडलेल्या डाळिंब व्यवस्थापन कार्यक्रमात करण सिन्हा यांनी मार्गदर्शन केले. (छाया : सचिन मंगरुळे)

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राच्या शास्त्रज्ञांनी डाळिंब पिकाच्या व्यवस्थापनाचे विविध पैलू समजावून सांगितले. यात मुख्यतः डाळिंब पिकाच्या कीड व रोग नियंत्रण पद्धती, माती परीक्षणाचे महत्त्व, मृदा व खत व्यवस्थापन, पाणी व्यवस्थापन, छाटणी आणि डाळिंबाच्या निर्यातीसाठी आवश्यक गुणवत्ता नियंत्रण याबद्दल मार्गदर्शन केले.

समस्या सोडवण्यासाठी सल्ला दिला. कीटकनाशकांच्या अति वापरामुळे होणारे संभाव्य दुष्परिणाम आणि त्यावर योग्य उपाययोजना याबद्दलही सखोल चर्चा झाली.

विठ्ठलराव भोसले म्हणाले, 'कमी खर्चात अधिक उत्पादन मिळवण्यासाठी योग्य प्रशिक्षण, योग्य तंत्रज्ञान आणि बाजारपेठेबाबत योग्य ...

म्हणाले, 'हा संघ शेतकरी स्वतः चालवतील आणि त्यांच्या मदतीसाठी माणदेशी फाउंडेशन सदैव तत्पर असेल. आणि यापुढे ही माणदेशी फाउंडेशन शेतकऱ्यांना आर्थिकदृष्ट्या सक्षम बनवण्यासाठी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमांचे आयोजन करत राहील.'

शिवार फेरीमध्ये शास्त्रज्ञांनी डाळिंब उत्पादनात जास्तीत जास्त ...

ವಿದೇಶಿ ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಯಲು ರೈತರಿಗೆ ಸಲಹೆ

■ ಪ್ರಜೋದಯ ವರದಿ

ಆಲೂರು: ವಿದೇಶಿ ದಾಳಿಂಬೆಗೆ ಉತ್ತಮ ಬೇಡಿಕೆಯಿದ್ದು, ಅದನ್ನು ಬೆಳೆದರೆ ಹೆಚ್ಚು ಆದಾಯ ಗಳಿಸಬಹುದೆಂದು ನಿವೃತ್ತ ಐಪಿಎಸ್ ಅಧಿಕಾರಿ ಎಸ್.ಎಸ್.ಸಿದ್ದರಾಮಯ್ಯ ಅವರು ಸಲಹೆ ನೀಡಿದರು.

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾಗದ ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಗಾರರ ರೈತೋತ್ಪಾದಕ ಸಂಸ್ಥೆ (ಎಸ್‌ಆರ್‌ಪಿಜಿ) ಹಾಗು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದ ಸೊಲ್ಲಾಪುರದ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ದಾಳಿಂಬೆ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದಿಂದ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ರೋಟ್ಟಿ ರೆಸಾರ್ಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಮಂಗಳವಾರ ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿದ್ದ ದಾಳಿಂಬೆ ತಾಂತ್ರಿಕ

ಅತ್ಯಲ್ಪ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದೂವರೆ ಕೋಟಿ ರೂ. ಲಾಭ ಗಳಿಸಿದೆ. 18 ಲಕ್ಷ ರೂ. ತೆರಿಗೆ ಪಾವತಿ ಮಾಡಿದೆ. ಈ ವರ್ಷದಿಂದ ಸಂಸ್ಥೆಗೆ ಬಂದ ಲಾಭಾಂಶವನ್ನು ಷೇರುದಾರರಿಗೆ ಶೇ.25 ರಷ್ಟು ಹಂಚಿಕೆ ಮಾಡಲು ನಿರ್ಧರಿಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದರು.

ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಗಾರರು ಆರ್ಥಿಕ ...

ನೀಡುವುದು ಕಾರ್ಯಾಗಾರದ ಉದ್ದೇಶ. ಮುಂದಿನ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಅರಸೀಕೆರೆ ತಾಲ್ಲೂಕು ಬಾಣಾವರದ ಬಳಿಯ ಎಸ್‌ಆರ್‌ಪಿಜಿ ಸಂಸ್ಥೆ ಸ್ವಂತ ಕಟ್ಟಡ ಹೊಂದುವ ಗುರಿ ಹೊಂದಲಾಗಿದೆ ಎಂದರು.

ಮತ್ತೊಬ್ಬ ನಿರ್ದೇಶಕ ಎಸ್. ಯತೀಶ್ ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಸಂಸ್ಥೆಯ

TODAY सातारा, सोमवार, ३० सप्टेंबर २०२४ **सकाळ**

शेतकऱ्यांना डाळिंब व्यवस्थापनाचे धडे

माणदेशी फाउंडेशनच्या वतीने मेळावा; शास्त्रज्ञांकडून मार्गदर्शन

म्हसवड : शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन करताना करण सिन्हा. समवेत कृषी शास्त्रज्ञ.

डाळिंब बागायतदार संघ

'ವಿದೇಶಿ ಗುಣಮಟ್ಟದ ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಯಲು ಮುಂದಾದರೆ ಹೆಚ್ಚು ಹೆಚ್ಚು ಆದಾಯ'

ವಿದೇಶಿ ಕ್ವಾಲಿಟಿ ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಯಲು ಸಲಹೆ

TODAY सोलापूर, शनिवार, ३ ऑगस्ट २०२४ सकाळ

डाळिंब लागवडीसाठी शेतकऱ्यांना पूर्ण पाठबळ

जिल्हाधिकारी आशीर्वाद : गौडवाडीमध्ये डाळिंब उत्पादक संघातर्फे कार्यशाळा

सकाळ वृत्तसेवा

सोलापूर, ता. २ : डाळिंब पीक हे सोलापूर जिल्ह्यासाठी अत्यंत योग्य पीक आहे. डाळिंबाला मोठे भवितव्य आहे. जिल्ह्यात डाळिंबाची मोठ्या प्रमाणावर लागवड व्हावी, यासाठी शासन व प्रशासन प्रयत्न करत आहे. डाळिंबाच्या लागवडीसाठी शेतकऱ्यांना शासन व प्रशासन शंभर टक्के पाठबळ देणार असल्याचा विश्वास जिल्हाधिकारी कुमार आशीर्वाद यांनी व्यक्त केला.

गौडवाडी (ता. सांगोला) डाळिंबाच्या झाडाची व फळांची पाहणी करताना जिल्हाधिकारी कुमार आशीर्वाद.

गौडवाडी (ता. सांगोला) येथे कृषी विभाग व गौडवाडी डाळिंब उत्पादक शेतकरी संघ यांच्यावतीने शाश्वत निर्यातक्षम डाळिंब उत्पादन कार्यशाळा व डाळिंब प्रक्षेत्र भेट कार्यक्रमाच्या अध्यक्ष स्थानावरून ते बोलत होते. यावेळी राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राचे संचालक राजीव मराठे, जिल्हा अध्यक्ष कृषी अधिकारी दत्तात्रय गावसाने, डाळिंब महासंघाचे अध्यक्ष प्रभाकर चांदणे, एनआरसीपीचे शास्त्रज्ञ डॉक्टर संग्राम धुमाळ, डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. प्रशांत कुमार यांच्यासह डाळिंब उत्पादक शेतकरी संघाचे पदाधिकारी व शेतकरी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

जिल्हाधिकारी आशीर्वाद म्हणाले, डाळिंबासाठी सोलापूरची जमीन व वातावरण ही पोषक आहे. हे पीक निर्यातक्षम असल्यामुळे शेतकऱ्यांना चांगले उत्पन्नही मिळणार आहे. या डाळिंब पिकाविषयी सोलापूर जिल्ह्यातील शेतकऱ्यांमध्ये जनजागृती व्हावी, यासाठी कृषी विभाग व आत्मा यांच्याकडून जवळपास दहा ते बारा ठिकाणी डाळिंब मार्गदर्शनपर कार्यशाळा घेण्यात येणार आहेत. या कार्यशाळेसाठी जिल्हा नियोजन समितीमधून आवश्यक तेवढा निधी उपलब्ध करून दिला जाईल.

डाळिंब संशोधन केंद्राचे शास्त्रज्ञ डॉ. संग्राम धुमाळ व डॉ. सोमनाथ पोखरे व प्रा. प्रशांत कुमार यांनी डाळिंब पिकाविषयी सविस्तर तांत्रिक मार्गदर्शन केले. यावेळी आत्माचे प्रकल्प संचालक शीतल चव्हाण, उपसंचालक मदन मुकणे, उपविभागीय कृषी अधिकारी बाळासाहेब लांडगे, तहसीलदार संतोष कणसे, तालुका कृषी अधिकारी पंढरपूर सूर्यकांत मोरे, डाळिंब बागायतदार प्रवीण माने उपस्थित होते. प्रास्ताविक शिवाजी शिंदे यांनी केले. गौडवाडीमधील डाळिंब लागवडीची माहिती नाना माळी यांनी दिली.

गांवकरी

www.gavakari.net

28 Sep 2024 - Page 14

राम सुरसे यांना आदर्श डाळिंब उत्पादक शेतकरी पुरस्कार

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राकडून गौरव

वावी : वार्ताहर

सिन्नर तालुक्यातील युवा व प्रगतशील शेतकरी राम मोहन सुरसे यांना राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूर यांच्याकडून आदर्श डाळींब उत्पादक शेतकरी म्हणून सन्मानित करण्यात आले.

राष्ट्रीय डाळींब संशोधन केंद्र सोलापूरचा २० वा स्थापना दिवस प्रभारी संचालक डॉ. परमेश्वर शिरगुरे यांच्या अध्यक्षतेखाली साजरा करण्यात आला. यावेळी विविध कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले होते. प्रमुख पाहुणे म्हणून कृषी विज्ञान केंद्राचे वरिष्ठ शास्त्रज्ञ लालासाहेब तांबडे, सहयोगी संशोधन संचालक डॉ. नितीनकुमार रणशूर, वरिष्ठ शास्त्रज्ञ डॉ. बसवराज रायगोंड, डॉ. दिनेश बाबू आदी उपस्थित होते.

गेल्या वीस वर्षांमध्ये राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरने संशोधनामध्ये उल्लेखनीय प्रगती केली आहे. या डाळिंब संशोधन केंद्राचा वटवृक्ष होण्याची वाट प्रगतीपथावर आहे. केंद्राने डाळिंब उत्पादक शेतकरी तसेच इतर घटकासाठी वेगवेगळ तंत्रज्ञान विकसित केले आहे. यामध्ये केंद्रातील शास्त्रज्ञ यांचा मोलाचा वाटा आहे असे प्रतिपादन सोलापूर राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राचे प्रभारी संचालक डॉ. परमेश्वर शिरगुरे यांनी केले.

डॉ. बसवराज रायगोंड यांनी आपल्या मनोगतात डाळिंब केंद्राने करत असलेल्या कामाचे कौतुक केले.

या कार्यक्रमात शेतकऱ्यांचा आणि विद्यार्थ्यांचा सत्कार करण्यात आला. नाशिक येथील रामहरी सुरसे तसेच कर्नाटक येथील नटेश एशी यांचा प्रगत शेतकरी पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले.

स्वच्छता सेवा उपक्रमाअंतर्गत संस्थेतील सफाई कामगारांना सफाई मित्र सन्मान देण्यात आले. यावेळी अनुसूचित जातीच्या शेतकऱ्यांना ब्रश कटर वाटप करण्यात आले. स्थापनादिनाचे औचित्य साधून डाळिंब उत्पादनातील तांत्रिक शोधांची या पुस्तिकेचे प्रकाशन करण्यात आले. प्रमुख पाहुणे तांबडे यांनी राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरच्या डाळिंब उत्पादक शेतकऱ्यांच्या विकासातील भूमिकेवर प्रकाश टाकला. डॉ. दिनेश बाबू यांनी सूत्रसंचालन केले. डॉ. रंजन सिंग यांनी आभार मानले.

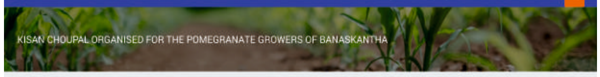

Old website | Employee Corner | Skip to Main Content | Screen Reader Access | A+ A A- A A | English | हिंदी

Home | About Us | Documents & Reports | Notification | RTI | Divisions | ICAR Media | Online Payment | Employee Corner | Contact Us

KISAN CHOUPAL ORGANISED FOR THE POMEGRANATE GROWERS OF BANASKANTHA

Home / Kisan Choupal organised for the pomegranate growers of Banaskantha

Kisan Choupal organised for the pomegranate growers of Banaskantha

4th September 2024, Solapur

ICAR-National Research Centre on Pomegranate, Solapur, organised a 'Kisan-choupal' in the presence of Shri Shankar Bhai Chaudhari, Speaker, Gujarat Legislative Assembly, along with the pomegranate growers of the Banaskantha region of Gujrat at the farmer field of Karnpura village today. The innovative programme was jointly organised by ICAR-National Research Centre on Pomegranate, Solapur, 'Banas Diary', Banaskantha Gujarat and 'Isha Foundation'. The ICAR-NRCP team, along with team Banas and the ISHA Foundation, visited the pomegranate farmer field at different villages of Tharad and had detailed interactions with farmers.

Shri Chaudhari urged popularizing pomegranate cultivation in Banaskantha, Gujrat and assured of strengthening the infrastructure facilities for export quality pomegranate production.

There was a thorough discussion regarding the major problems in quality pomegranate production. The ICAR-NRCP team provided possible solutions for their queries and also created awareness about Quality planting material and recommended a package of practices, including plant protection measures.

During the visit, the team also participated in the inauguration of Banas Soil Testing Laboratory; Banas Save Soil Farmer Producer Company and Banas Bio-Fertilizer Research and Development Laboratory.

Scientists from ICAR-National Research Centre on Pomegranate, Solapur, participated in Kisan Choupal.

(Source: ICAR-National Research Centre on Pomegranate, Solapur)

Digital India | my GOV मेरी सरकार | data.gov.in Open Government Data (OGD) Platform India | MAKE IN INDIA

Disclaimer | Privacy Policy | Web Information Manager | Copyright Policy | Hyperlinking Policy | Accessibility Statement | Help | FAQs | Farmer Corner | Feedback | Sitemap

@ Content Owned by ICAR - Directorate of Knowledge Management in Agriculture

वेगेवेगळे तंत्रज्ञान विकसित करण्यात शास्त्रज्ञांचा मोलाचा वाटा

डॉ. परमेश्वर शिरगुरे यांचे प्रतिपादन : राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरचा वर्धापन दिन उत्साहात

प्रतिनिधी
सोलापूर

गेल्या वीस वर्षांमध्ये राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरने संशोधनामध्ये उल्लेखनीय प्रगती केली आहे. या डाळिंब केंद्राची वटवृक्ष होण्याची वाट प्रगती पथावर आहे. केंद्राने डाळिंब उत्पादक शेतकरी तसेच इतर घटकासाठी वेगेवेगळे तंत्रज्ञान विकसित केले आहे. यामध्ये केंद्रातील शास्त्रज्ञांचा मोलाचा वाटा आहे., असे प्रतिपादन सोलापूर राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राचे प्रभारी संचालक डॉ. परमेश्वर शिरगुरे यांनी केले.

राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्र सोलापूरचा २० वा वर्धापन दिन सोहळा उत्साहात साजरा झाला. त्यानिमित्त विविध कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले होते. यावेळी अध्यक्षस्थानावरून डॉ. शिरगुरे बोलत होते. यावेळी प्रमुख पाहुणे म्हणून डॉ. लालसाहेब तांबडे होते तर सहयोगी

सोलापूर : राष्ट्रीय डाळिंब संशोधन केंद्राच्या वर्धापन दिनाच्या कार्यक्रमाचे दीप प्रज्वलन करुन उद्घाटन करताना डॉ. परमेश्वर शिरगुरे. याप्रसंगी डॉ. लालासाहेब तांबडे, डॉ. नितीनकुमार रनशूर, डॉ. बसवराज रायगोंड आदी.

संशोधन संचालक डॉ. नितीनकुमार रनशूर, डॉ. बसवराज रायगोंड आदी प्रमुख म्हणून उपस्थित होते. कार्यक्रमाची सुरुवात अतिथींच्या स्वागत गीताने झाली. डॉ. बसवराज रायगोंड यांनी आपल्या मनोगतात डाळिंब केंद्राने करत असलेल्या कामाचे कौतुक केले.

कार्यक्रमात शेतकऱ्यांचा आणि विद्यार्थ्यांचा सत्कार करण्यात आला. कर्नाटक येथील नटेश एसी आणि नाशिक येथील रामहरी सुरसे यांना प्रगत शेतकरी पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले. तसेच स्वच्छता ही सेवा उपक्रमांतर्गत संस्थेतील सफाई कामगारांना सफाईमित्र सन्मान पुरस्कार देण्यात आले. यावेळी अनुसूचित जाती उपयोजना (एस्सी) अंतर्गत अनुसूचित जातीच्या शेतकऱ्यांना ब्रश कटर वाटप करण्यात आले. स्थापनदिनाचे औचित्य साधून डाळिंब उत्पादनातील तांत्रिक शोधांची या पुस्तिकेचे प्रकाशन करण्यात आले.

याप्रसंगी तरुण भारत संवादचे सोलापूर आवृत्ती प्रमुख विजयकुमार देशपांडे, सोलापूर श्रमिक पत्रकार संघाचे अध्यक्ष विक्रम खेलबुडे यांचा सत्कार करण्यात आला.

डॉ. तांबडे यांनी सोलापूर डाळिंब संशोधन केंद्रात डाळिंब उत्पादक शेतकऱ्यांच्या विकासातील भूमिकेवर प्रकाश टाकला. डॉ. शिरगुरे यांनी संस्थेचे माजी संचालक आणि डॉ. राजीव मराठे यांच्या योगदानाचा उल्लेख केला. कार्यक्रमाची सांगता राष्ट्रगीताने झाली. डॉ. दिनेश बाबू यांनी कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन केले. डॉ. संग्राम धुमाळ यांनी कार्यक्रमाचे संयोजन केले. डॉ. रंजन सिंग यांनी आभार मानले.

'ವಿದೇಶಿ ಗುಣಮಟ್ಟದ ದಾಳಿಂಬೆ ಬೆಳೆಯಲು ಮುಂದಾದರೆ ಹೆಚ್ಚು ಹೆಚ್ಚು ಆದಾಯ'

Indian Council of Agricultural Research
National Research Centre on Pomegranate
Solapur, Maharashtra (India)
(An ISO 9001:2015 Certified Institute)

महाराष्ट्र के किसान श्री. चंद्रकांत अहिरेकर ग्राम वाठार ता. फलटण, जि. सातारा के द्वारा भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री. जगदीप धनगड़ जी को अनार प्रदान करते हूऐ

Indian Council of Agricultural Research
National Research Centre on Pomegranate
Solapur, Maharashtra (India)
(An ISO 9001:2015 Certified Institute)

महाराष्ट्र के किसान श्री. चंद्रकांत अहिरेकर ग्राम वाठार ता. फलटण, जि. सातारा के द्वारा भारत भारत के प्रधानमंत्री श्री. नरेन्द्र मोदी जी को अनार प्रदान करते हूऐ

राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

केगांव, सोलापुर - ४१३ २२५, महाराष्ट्र (भारत)

ईमेल आईडी: nrcpomegranate@gmail.com

https://nrcpomegranate.in

दूरभाष : ०२१७-२३५४३३०,२३५००७४